DCP-6 (HINDI)

कुंडली के प्रमुख चिन्ह

राशि	राशि-स्वामी		तत्व	स्वभाव	ग्रहों के गुण धर्म	
मेष	♂	मंगल	अग्नि	चर	*टेढ़ा*	वक्री
वृषभ	♀	शुक्र	पृथ्वी	स्थिर	<u>रेखांकित</u>	शत्रु-घर
मिथुन	☿	बुध	वायु	द्विस्वभाव	**डार्क**	मित्र-घर
कर्क	☾	चंद्र	जल	चर	💣	अस्त
सिंह	☉	रवि	अग्नि	स्थिर	↑	उच्च
कन्या	☿	बुध	पृथ्वी	द्विस्वभाव	↓	नीच
तुला	♀	शुक्र	वायु	चर		
वृश्चिक	♂	मंगल	जल	स्थिर	+	मित्र
धनु	♃	गुरु	अग्नि	द्विस्वभाव	-	शत्रु
मकर	♄	शनि	पृथ्वी	चर	*	सम
कुंभ	♄	शनि	वायु	स्थिर	++	अधिमित्र
मीन	♃	गुरु	जल	द्विस्वभाव	--	अधिशत्रु

विंशोत्तरी, अष्टोत्तरी दशा में दी गई तारीख दशा की समाप्ति तारीख है ।

While all precautions have been taken for the accuracy of the complex calculations, the maker of these horoscopes makes no warranties, either expressed or implied.

Horoscope Print Date	:	14/09/2009 18:30
Calculation mode of Rahu	:	Mean Rahu
Rasi-Lord symbol in charts	:	Off
Print Double dates	:	Yes
Print Mangal Dosh	:	Yes
Print Ardh Kaal Sarp	:	Yes
Print Mandi in Chart	:	Yes
Print Fortuna in Chart	:	Yes
Special Effects	:	On
Ayanamsa selected	:	CP
Pagesize in Printer driver	:	A4

DCP-6 (HINDI)

लिंग	पुरुष	अयनांश	23:14:40
जन्म तारीख	28/10/1955	सी.पी. / के.पी.	CP
जन्म दिन	शुक्रवार	सूर्योदय	06:48:34
जन्म समय	20:58:00	सूर्यास्त	16:59:18
इष्टकाल (घटी)	35:23:34	दिन मान	10:10:43
स्थान	SEATTLE/WASHINGTON		
देश	USA	Module	
अक्षांश	047:35:N	चंद्र राशि (पाया)	मीन (तांबा)
रेखांश	122:21:W	राशि अक्षर	द च ञ थ
मध्य रेखांश	-08:00	सूर्य राशी(पाश्चात्य)	वृश्चिक
युद्ध / ग्रीष्म समय	00 / 00	तिथि	शुक्ल - 13
स्थानिक समय संस्कार	-0:09:24	नक्षत्र	उ.भाद्र (4)
स्थानिक समय	20:48:36	नक्षत्र अक्षर	था
सांपत्तिक काल	23:15:38	नक्षत्र पाया	तांबा
अयन	दक्षिण	योग	हर्षण
गोल	दक्षिण	करण	तैतिल
ऋतु	हेमंत	शक सवंत्	1877
विंशोत्तरी भोग्यदशा	शनि : 03-02-23	हिन्दू महिना (का.)	2011 - अश्विन
अष्टोत्तरी भोग्यदशा	राहू : 09-06-04	हिन्दू महिना (चै)	2012 - अश्विन

While all precautions have been taken for the accuracy of the complex calculations, the maker of these horoscopes makes no warranties, either expressed or implied.

"Maa Butbhavani Namah"

PURE DATA BANK ™
(COMPUTERISED HOROSCOPE)
HINDI,GUJARATI,ENGLISH,MARATHI, TELUGU & KANNADA
INTERNET E-MAIL KUNDLI / YOUR HOROCSOPE IN CD

13 NEW ABHAY APPT, OPP HANUMAN MANDIR
MAHARANA PRATAP RD, BHAYANDAR (W) - 401101
Tel : (91-22) 28193069 / 28192145 (M) 98202 00726
Website : www.puredatabank.com
E-mail : puredatabank@satyam.net.in

E-Kundli - 2009 (3.6.291108)

पंचांग (निरयन)

वर्ग			आरंभ		अंत	
राशी		कुंभ	25/10/1955	12:52	27/10/1955	19:55
	✓	**मीन**	**27/10/1955**	**19:55**	**29/10/1955**	**23:19**
		मेष	29/10/1955	23:19	01/11/1955	00:27
तिथी		शुक्ल - 12	27/10/1955	05:52	28/10/1955	04:51
	✓	**शुक्ल - 13**	**28/10/1955**	**04:51**	**29/10/1955**	**03:08**
		शुक्ल - 14	29/10/1955	03:08	30/10/1955	00:50
नक्षत्र		पू.भाद्र	27/10/1955	02:01	28/10/1955	01:48
	✓	**उ.भाद्र**	**28/10/1955**	**01:48**	**29/10/1955**	**00:51**
		रेवती	29/10/1955	00:51	29/10/1955	23:19
योग		व्याघात	27/10/1955	18:45	28/10/1955	16:27
	✓	**हर्षण**	**28/10/1955**	**16:27**	**29/10/1955**	**13:38**
		वज्र	29/10/1955	13:38	30/10/1955	10:24
करण		कौलव	28/10/1955	04:51	28/10/1955	16:05
	✓	**तैतिल**	**28/10/1955**	**16:05**	**29/10/1955**	**03:08**
		गर	29/10/1955	03:08	29/10/1955	14:03

अवकहड़ा चक्र

योग	**हर्षण**
करण	**तैतिल**
वर्ण	**ब्राह्मण**
तत्व	**वारि**
वश्य	**जलचर**
वर्ग	**सर्प**
योनी	**गौ**
गण	**मनुष्य**
युंजा	**अंत्य**
नाड़ी	**मध्य**

घात चक्र

मास	**फाल्गुन**
तिथि	**5-10-15**
दिवस	**शुक्रवार**
नक्षत्र	**आश्लेशा**
योग	**वज्र**
करण	**चतुष्पाद**
प्रहर	**4**
चंद्र	**कुंभ**
स्त्रीचंद्र	**कुंभ**

साढेसाती विचार

छोटी पनोती	21/08/1953	-	12/11/1955
साढेसाती	27/01/1964	-	28/04/1971
छोटी पनोती	10/06/1973	-	23/07/1975
छोटी पनोती	06/10/1982	-	17/09/1985
साढेसाती	05/03/1993	-	07/06/2000
छोटी पनोती	23/07/2002	-	26/05/2005
छोटी पनोती	15/11/2011	-	02/11/2014
साढेसाती	29/04/2022	-	17/04/2030

DCP-6 (HINDI)

निरयन स्पष्ट ग्रह

ग्रह		राशी अंश		नक्षत्र		रा स्वा	न स्वा	उ स्वा	अवस्था
लग्न		मिथुन	21 :32 :16	पुनर्वसु	1	बुध	गुरु	गुरु	-
रवि		तुला	11 :45 :07	स्वाती	2	शुक्र	राहू	शनि	कुमार
चंद्र		मीन	14 :23 :59	उ.भाद्र	4	गुरु	शनि	राहू	युवा
मंगल		कन्या	16 :50 :47	हस्त	3	बुध	चंद्र	शनि	युवा
बुध		कन्या	23 :18 :55	हस्त	4	बुध	चंद्र	रवि	कुमार
गुरु		सिंह	04 :32 :05	मघा	2	रवि	केतु	चंद्र	बाल
शुक्र		तुला	26 :56 :02	विशाखा	3	शुक्र	गुरु	शुक्र	मृत
शनि		तुला	28 :20 :27	विशाखा	3	शुक्र	गुरु	शुक्र	मृत
राहू	(व)	वृश्चिक	26 :13 :28	ज्येष्ठा	3	मंगल	बुध	गुरु	बाल
केतु	(व)	वृषभ	26 :13 :28	मृग	1	शुक्र	मंगल	गुरु	बाल
हर्षल		कर्क	09 :02 :39	पुष्य	2	चंद्र	शनि	शुक्र	वृद्ध
नेप.		तुला	04 :59 :47	चित्रा	4	शुक्र	मंगल	रवि	बाल
प्लुटो		सिंह	05 :06 :03	मघा	2	रवि	केतु	मंगल	बाल
मांदी		सिंह	10 :00 :12	मघा	4	रवि	केतु	शनि	-
भा.-सहंम		वृश्चिक	24 :11 :08	ज्येष्ठा	3	मंगल	बुध	राहू	-

ग्रह	गति		शर	क्रांति	अस्त	अवस्था	भाव
रवि	00 :59 :55	-	00 :00 :00	-13 :11 :24	-	नीच	-
चंद्र	14 :12 :10	-	04 :51 :33	07 :29 :44	-	-	-
मंगल	00 :38 :32	मध्यम	00 :59 :13	-03 :05 :22	-	-	-
बुध	01 :01 :43	मध्यम	02 :03 :43	-04 :36 :24	-	उच्च	स्वग्रही
गुरु	00 :08 :15	मध्यम	00 :45 :30	12 :57 :33	-	-	-
शुक्र	01 :14 :48	शीघ्र	00 :08 :01	-17 :39 :50	-	-	स्वग्रही
शनि	00 :06 :58	शीघ्र	01 :58 :12	-16 :15 :39	-	उच्च	-
राहू	-00 :03 :10	-	00 :00 :00	00 :00 :00	-	-	-
केतु	-00 :03 :10	-	00 :00 :00	00 :00 :00	-	-	दुर्बल

मंगलिक

लग्न कुंडली

अर्ध काल-सर्प योग

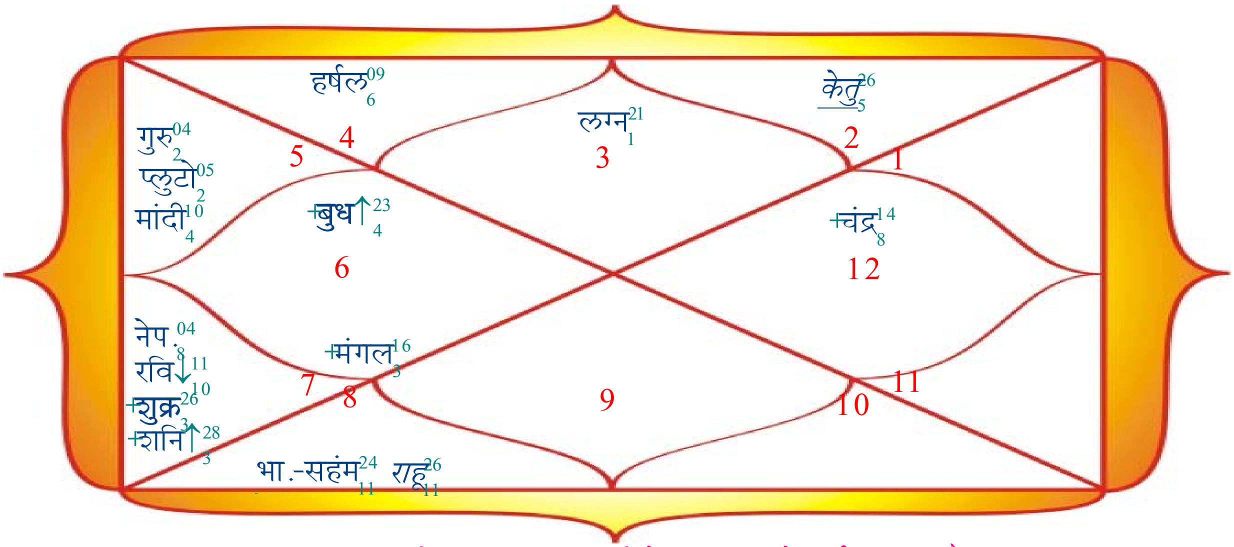

+ चिन्ह ग्रह की दिशा चलित कुण्डली में अग्रिम भाव में निर्धारित करता है

DCP-6 (HINDI)

चलित कुंडली

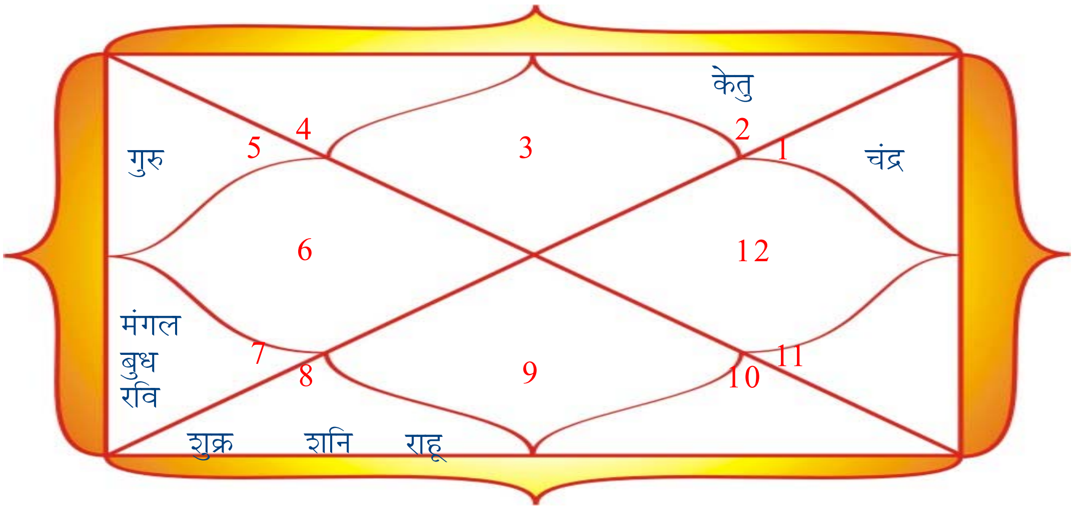

चलित भाव				
भाव	आरंभ		मध्य	
1	मिथुन	02 :03 :48	मिथुन	21 :32 :16
2	कर्क	02 :03 :48	कर्क	12 :35 :21
3	कर्क	23 :06 :54	सिंह	03 :38 :27
4	सिंह	14 :09 :59	सिंह	24 :41 :32
5	कन्या	14 :09 :59	तुला	03 :38 :27
6	तुला	23 :06 :54	वृश्चिक	12 :35 :21
7	धनु	02 :03 :48	धनु	21 :32 :16
8	मकर	02 :03 :48	मकर	12 :35 :21
9	मकर	23 :06 :54	कुंभ	03 :38 :27
10	कुंभ	14 :09 :59	कुंभ	24 :41 :32
11	मीन	14 :09 :59	मेष	03 :38 :27
12	मेष	23 :06 :54	वृषभ	12 :35 :21

कस्प भाव				
कस्प भाव		रा स्वा	न स्वा	उ स्वा
मिथुन	21 :32 :16	बुध	गुरु	गुरु
कर्क	08 :36 :00	चंद्र	शनि	शुक्र
कर्क	28 :35 :58	चंद्र	बुध	शनि
सिंह	24 :41 :32	रवि	शुक्र	बुध
तुला	00 :54 :09	शुक्र	मंगल	बुध
वृश्चिक	14 :13 :14	मंगल	शनि	राहू
धनु	21 :32 :16	गुरु	शुक्र	गुरु
मकर	08 :36 :00	शनि	रवि	शुक्र
मकर	28 :35 :58	शनि	मंगल	शनि
कुंभ	24 :41 :32	शनि	गुरु	बुध
मेष	00 :54 :09	मंगल	केतु	शुक्र
वृषभ	14 :13 :14	शुक्र	चंद्र	गुरु

कस्प कुंडली

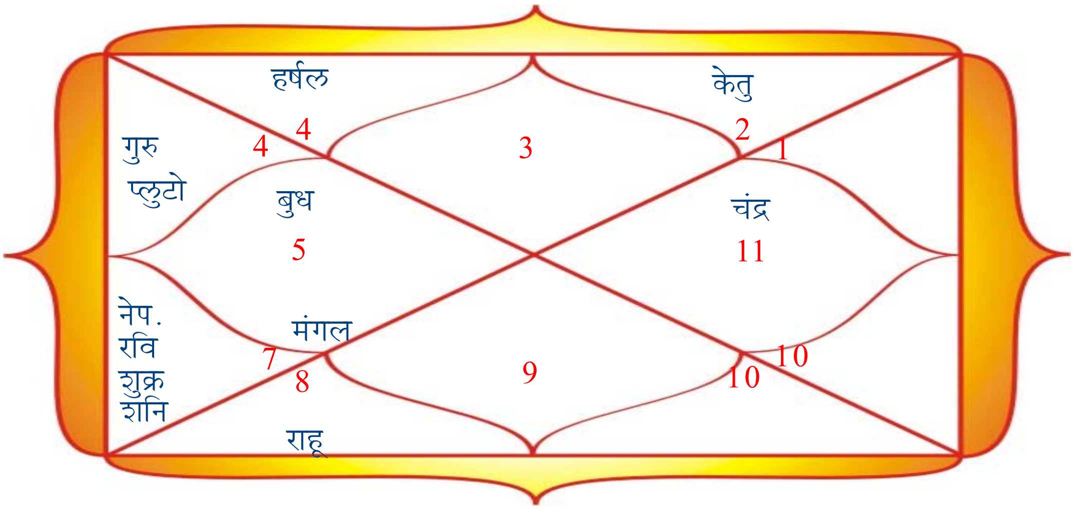

DCP-6 (HINDI)

ताराचक्र

जन्म	सम्पत	विपत	क्षेम	प्रत्यरी	साधक	वध	मैत्री	अधि-मैत्री
उ.भाद्र	रेवती	अश्विनी	भरणी	कृत्तिका	रोहिणी	मृग	आर्द्रा	पुनर्वसु
पुष्य	आश्लेशा	मघा	पूर्वा-फा.	उत्तरा-फा.	हस्त	चित्रा	स्वाती	विशाखा
अनुराधा	ज्येष्ठा	मूल	पू.षाढा	उ.षाढा	श्रवण	धनिष्ठा	शततारका	पू.भाद्र

चंद्र राशि कुंडली

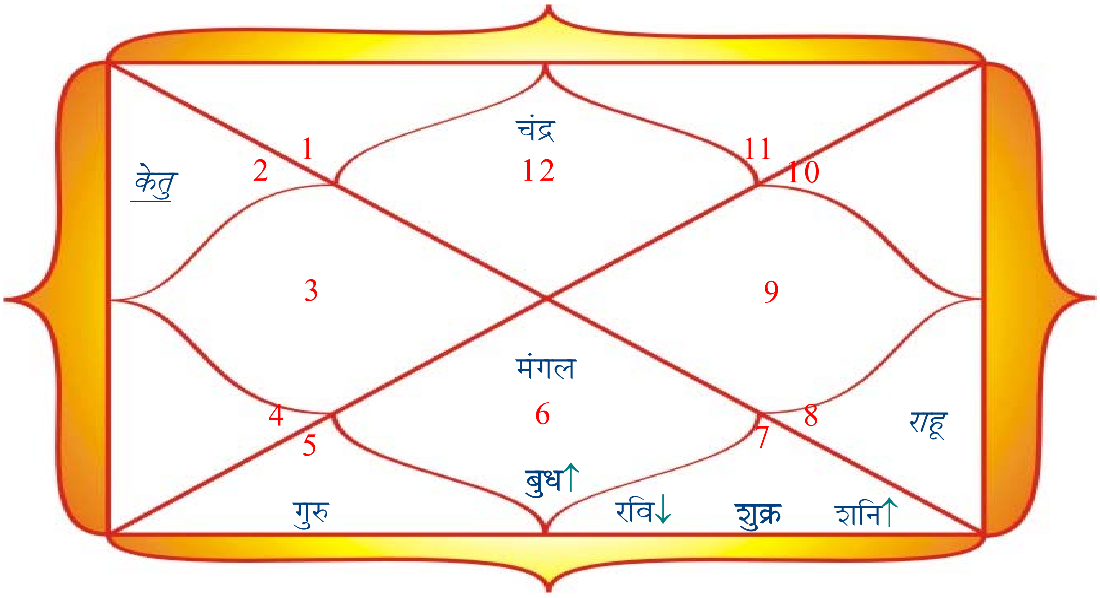

नवमांश कुंडली

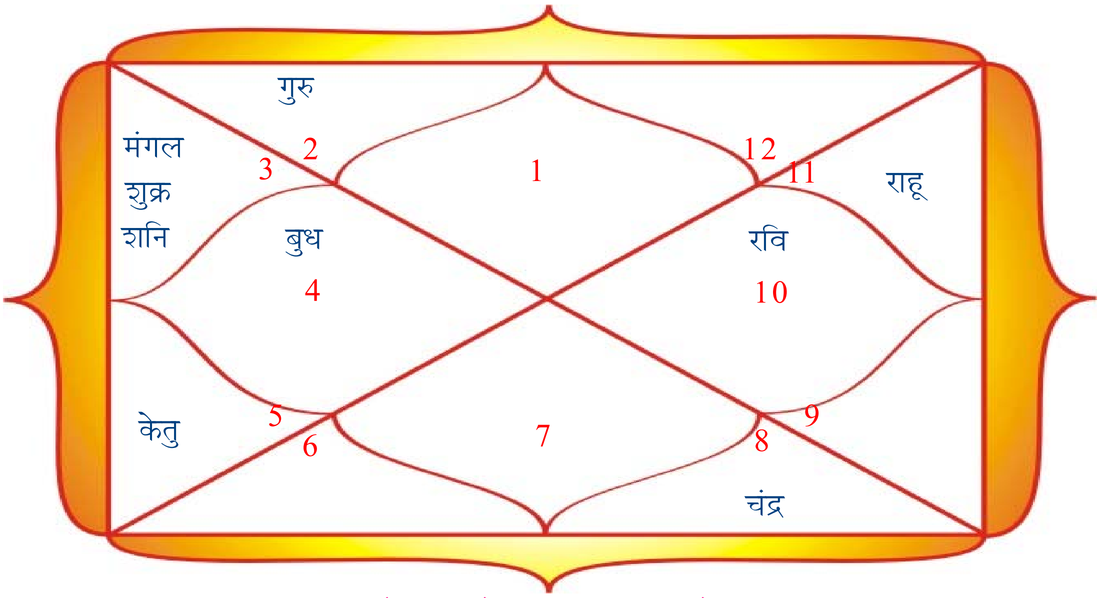

चंद्र >>> मंगल >>> बुध >>> चंद्र

DCP-6 (HINDI)

सुदर्शन चक्र

लग्न कुण्डली
राशी कुण्डली
सूर्य कुण्डली

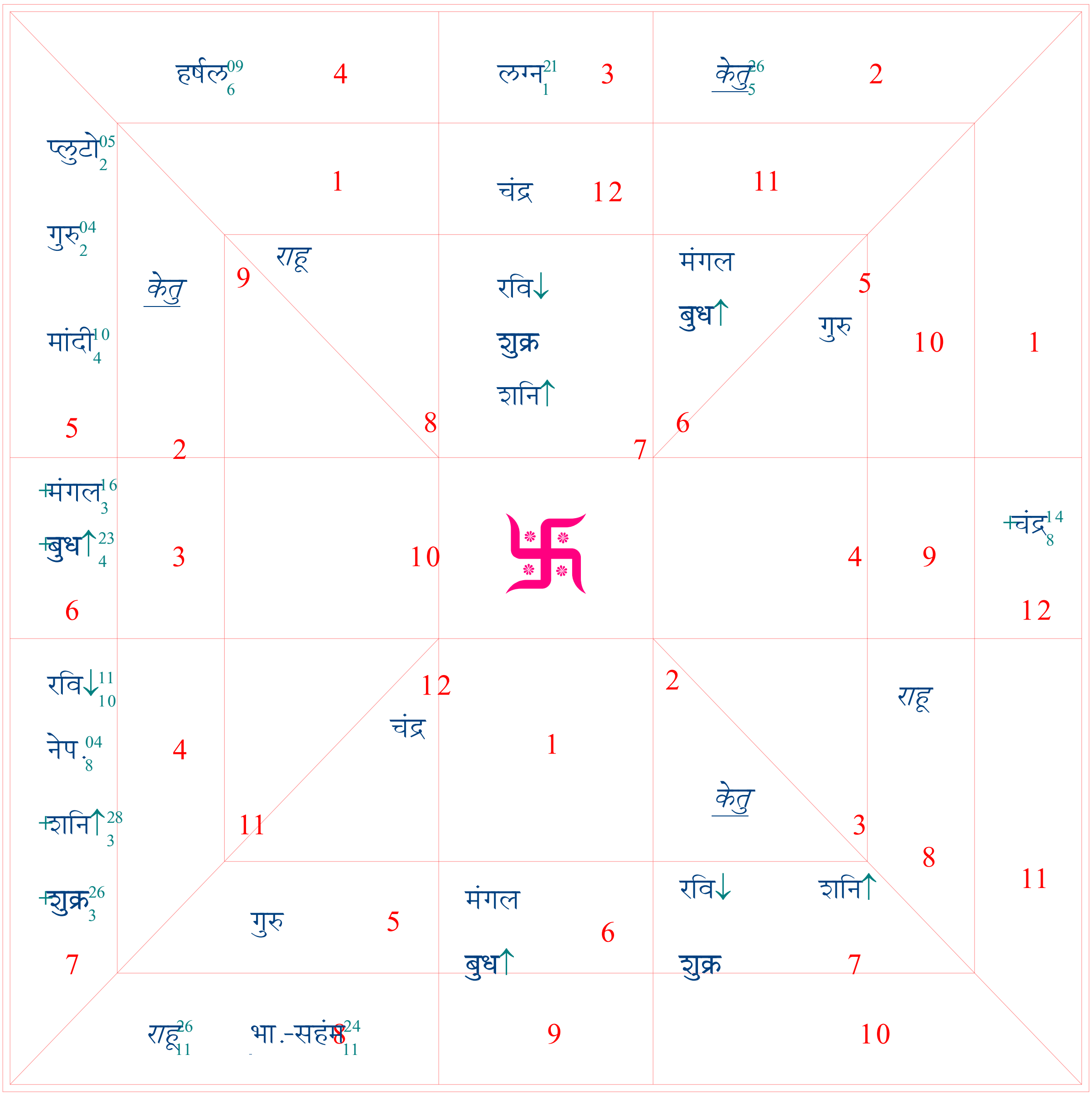

सुदर्शन चक्र क्रमानुसार बाहरी वृत से अन्त - वृत तक जन्मांग, चंद एंव कुंडलियों में ग्रहों की तुलनात्मक स्थिती दर्शाती है। किसी भाव का विचार करने के लिए भाव को प्रगट करने वाली तीनो राशियों का विचार करना चाहिए।

DCP-6 (HINDI)

ग्रह द्रष्टि विचार

-	रवि	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहू	केतु	हर्षल	नेप.	प्लुटो
रवि		152 ququ	24	18	67 sext	15	16	44 ssqr	135 sesq	92 squr	6 conj	66 sext
चंद्र			177 oppo	171	141	137 sesq	136 sesq	108	72 quin	115 trin	159	141
मंगल				6 conj	42 ssqr	40	41 ssqr	69	110	67 sext	18	41 ssqr
बुध					48 ssqr	33	35	62 sext	117 trin	74 quin	11	48 ssqr
गुरु						82 squr	83 squr	111	68 sext	25	60 sext	0 conj
शुक्र							1 conj	29	150 ququ	107	21	81
शनि								27	152 ququ	109	23	83 squr
राहू									180 oppo	137 sesq	51	111
केतु										42 ssqr	128 trin	68 sext
हर्षल											85 squr	26
नेप.												59 sext

ग्रह	गति		शर	क्रांति	अस्त	अवस्था	भाव
रवि	00 :59 :55	-	00 :00 :00	-13 :11 :24	-	नीच	-
चंद्र	14 :12 :10	-	04 :51 :33	07 :29 :44	-	-	-
मंगल	00 :38 :32	मध्यम	00 :59 :13	-03 :05 :22	-	-	-
बुध	01 :01 :43	मध्यम	02 :03 :43	-04 :36 :24	-	उच्च	स्वग्रही
गुरु	00 :08 :15	मध्यम	00 :45 :30	12 :57 :33	-	-	-
शुक्र	01 :14 :48	शीघ्र	00 :08 :01	-17 :39 :50	-	-	स्वग्रही
शनि	00 :06 :58	शीघ्र	01 :58 :12	-16 :15 :39	-	उच्च	-
राहू	-00 :03 :10	-	00 :00 :00	00 :00 :00	-	-	-
केतु	-00 :03 :10	-	00 :00 :00	00 :00 :00	-	-	दुर्बल

DCP-6 (HINDI)

कृष्णमूर्ति पद्धति स्पष्ट ग्रह

ग्रह	राशि	अंश	गति	नक्षत्र		रा.	न.	उ.	उ-ऊ.
लग्न	मिथुन	21:38:21	00:00:00	पुनर्वसु	1	बुध	गुरु	गुरु	राहू
रवि	तुला	11:51:12	00:59:55	स्वाती	2	शुक्र	राहू	शनि	मंगल
चंद्र	मीन	14:30:04	14:12:10	उ.भाद्र	4	गुरु	शनि	राहू	शुक्र
मंगल	कन्या	16:56:52	00:38:32	हस्त	3	बुध	चंद्र	शनि	चंद्र
बुध	कन्या	23:25:00	01:01:43	चित्रा	1	बुध	मंगल	मंगल	राहू
गुरु	सिंह	04:38:10	00:08:15	मघा	2	रवि	केतु	चंद्र	शुक्र
शुक्र	तुला	27:02:07	01:14:48	विशाखा	3	शुक्र	गुरु	शुक्र	रवि
शनि	तुला	28:26:32	00:06:58	विशाखा	3	शुक्र	गुरु	शुक्र	बुध
राहू	वृश्चिक	26:19:33	-00:03:10 (व)	ज्येष्ठा	3	मंगल	बुध	गुरु	गुरु
केतु	वृषभ	26:19:33	-00:03:10 (व)	मृग	1	शुक्र	मंगल	गुरु	गुरु
हर्षल	कर्क	09:08:44	00:00:31	पुष्य	2	चंद्र	शनि	शुक्र	राहू
नेप.	तुला	05:05:52	00:02:13	चित्रा	4	शुक्र	मंगल	रवि	राहू
प्लुटो	सिंह	05:12:08	00:00:56	मघा	2	रवि	केतु	मंगल	बुध
मांदी	सिंह	10:06:17	00:00:00	मघा	4	रवि	केतु	शनि	शुक्र
भा.-सहंम	वृश्चिक	24:17:13	00:00:00	ज्येष्ठा	3	मंगल	बुध	राहू	राहू

कृष्णमूर्ति पद्धति स्पष्ट भाव - 1

भाव	कस्प	अंश	रा.	न.	उ.	उ-ऊ.
1	मिथुन	21:38:21	बुध	गुरु	गुरु	राहू
2	कर्क	08:42:05	चंद्र	शनि	शुक्र	चंद्र
3	कर्क	28:42:03	चंद्र	बुध	शनि	शुक्र
4	सिंह	24:47:37	रवि	शुक्र	बुध	चंद्र
5	तुला	01:00:14	शुक्र	मंगल	बुध	मंगल
6	वृश्चिक	14:19:19	मंगल	शनि	राहू	शुक्र
7	धनु	21:38:21	गुरु	शुक्र	गुरु	राहू
8	मकर	08:42:05	शनि	रवि	शुक्र	राहू
9	मकर	28:42:03	शनि	मंगल	शनि	शुक्र
10	कुंभ	24:47:37	शनि	गुरु	बुध	चंद्र
11	मेष	01:00:14	मंगल	केतु	शुक्र	शुक्र
12	वृषभ	14:19:19	शुक्र	चंद्र	गुरु	शनि

के. पी. लग्न कुंडली

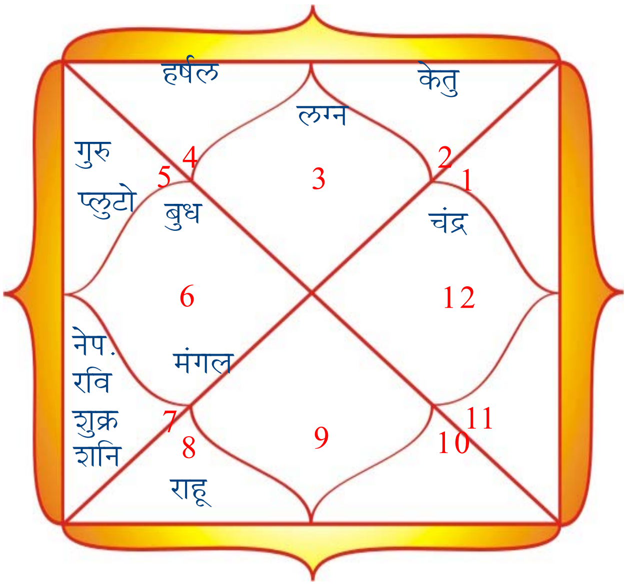

के. पी. कस्प कुंडली

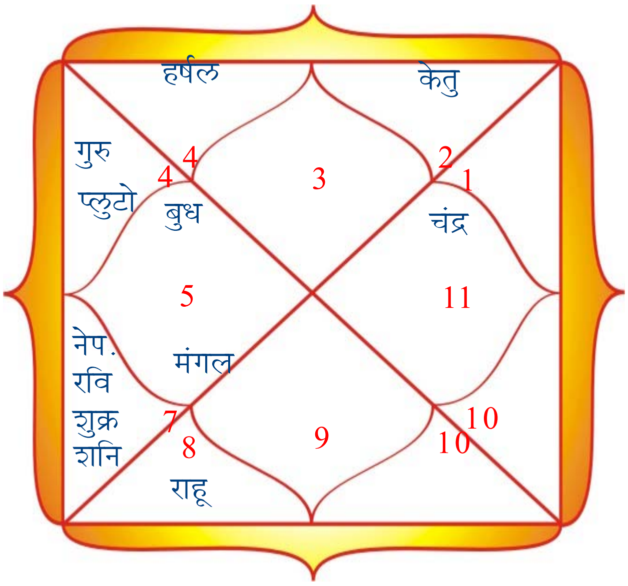

DCP-6 (HINDI)

शोडषवर्ग कुंडली : पृष्ठ -1

लग्न (देह विचार)

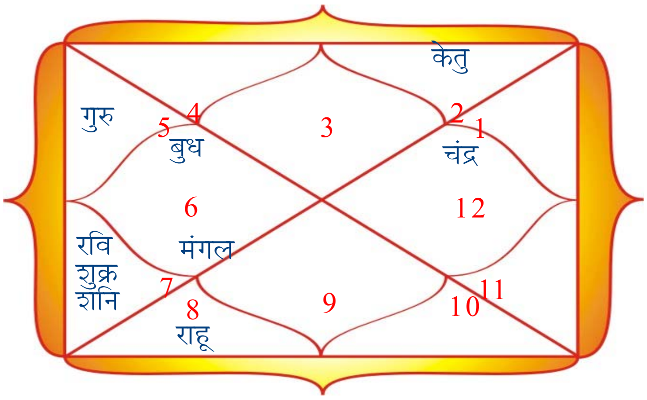

होरा (सम्पदाविचार)

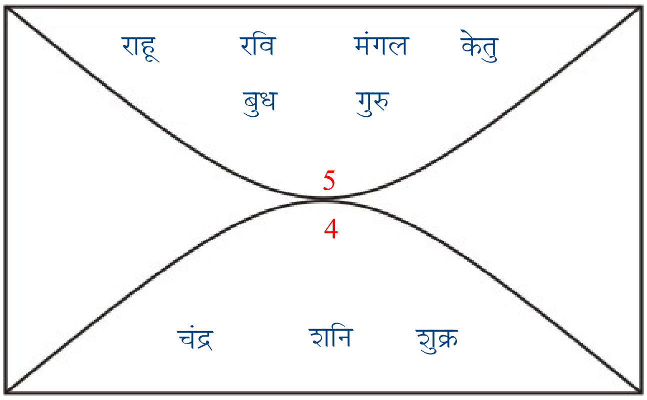

द्रेष्काण (भ्रातृसोंख्यम)

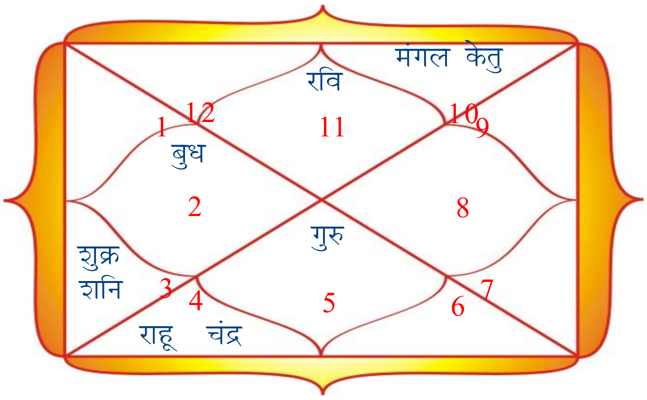

सप्तमांश (पुत्रपोत्रादिज्ञानम्)

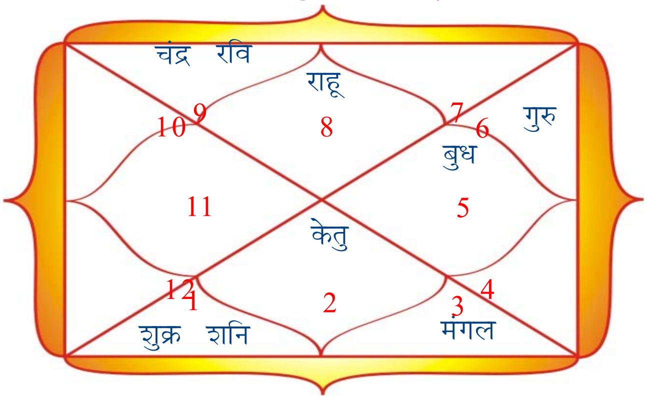

नवमांश (कलत्र सौख्यम्)

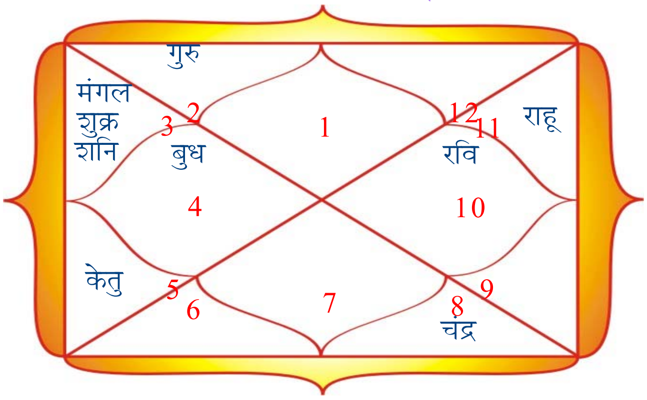

द्वादशांश (पितृसौख्यम्)

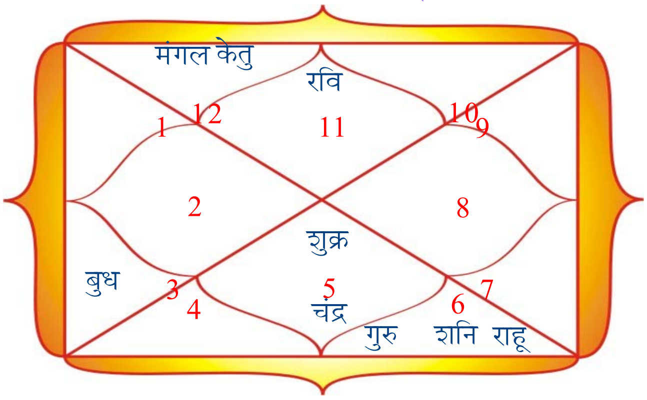

त्रिशांश (अरिष्ट ज्ञानम्)

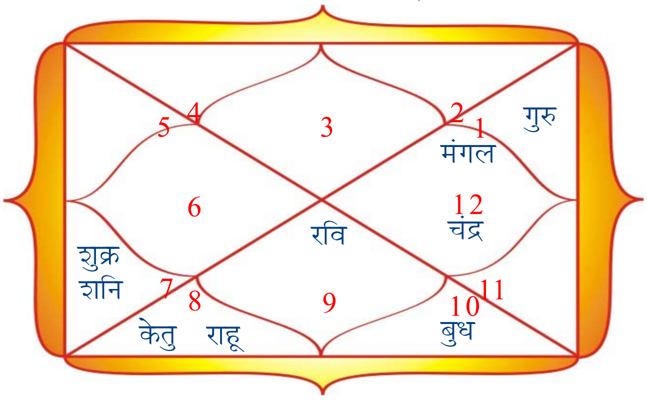

दशमांश (राज्यविचार)

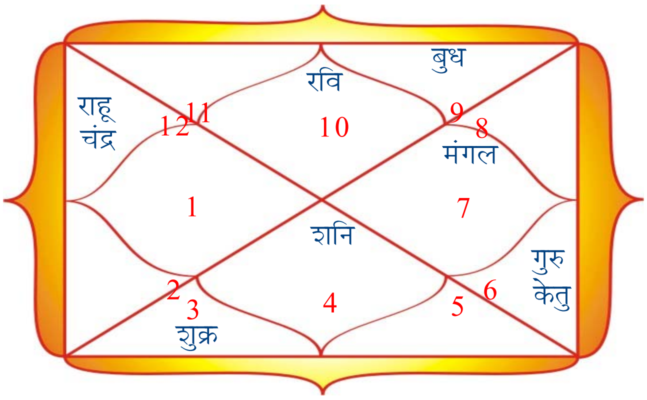

शोडषवर्ग कुंडली : पृष्ठ -2

षोडशांश (वाहनसुखविचार)

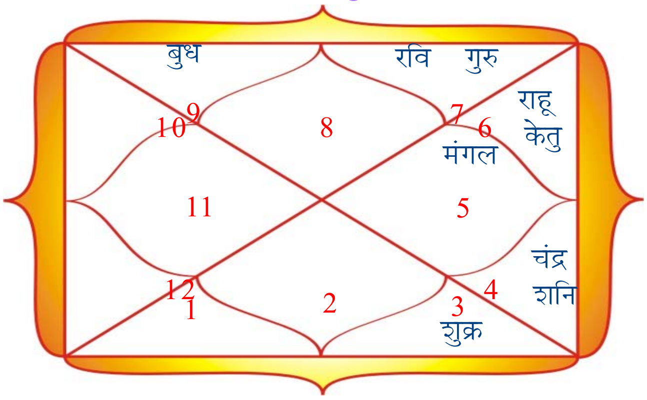

ष्टयंश (सर्वास्थिति विचार)

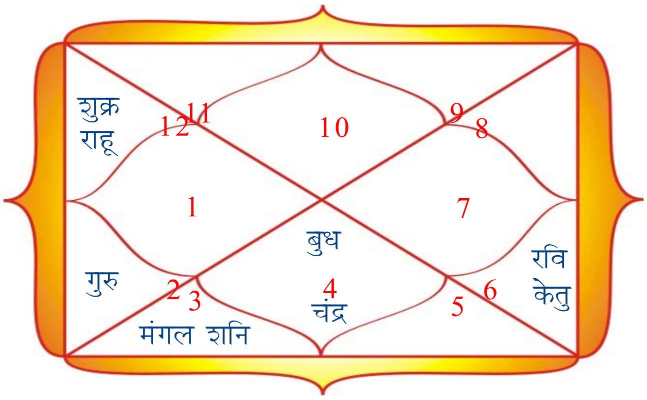

चतुर्थांश (भाग्यविचार)

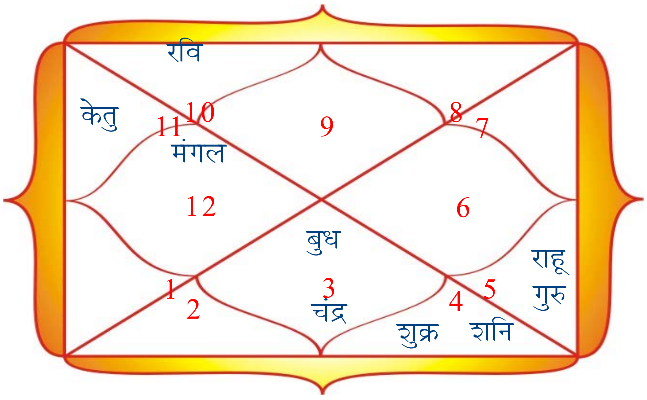

विंशांश (उपासनाज्ञानम्)

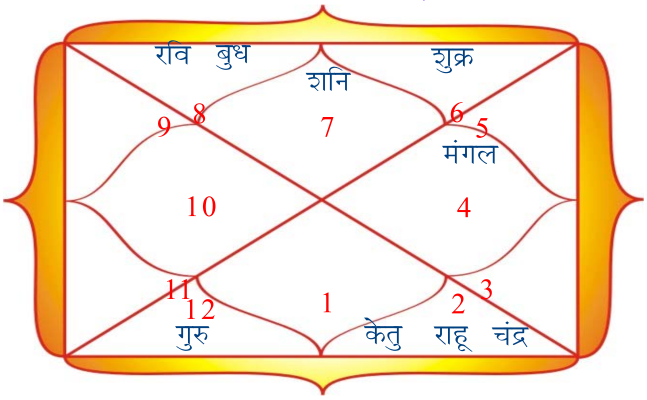

चतुर्विंशांश (विध्याविचार)

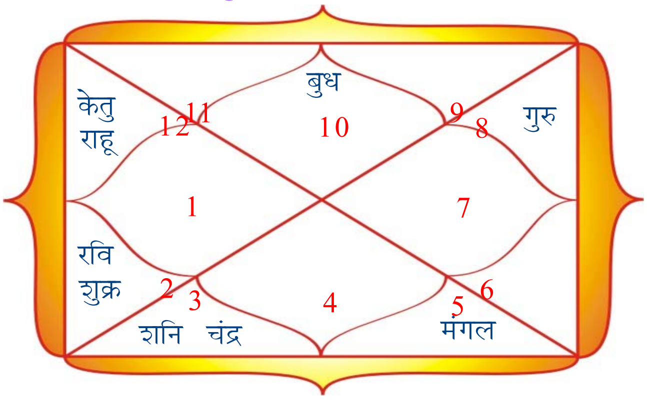

भामशांश

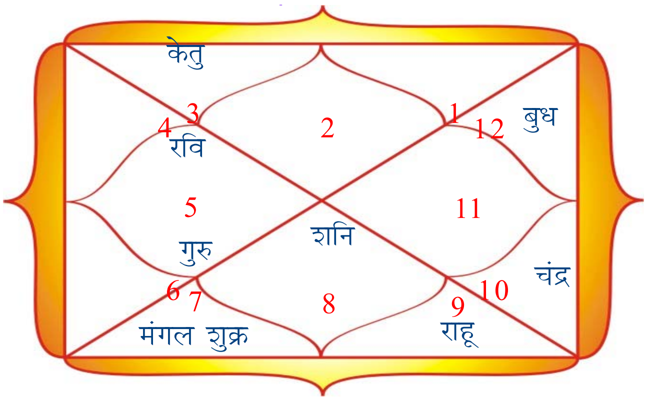

खवेदांश (शुभाशुभ ज्ञानम्)

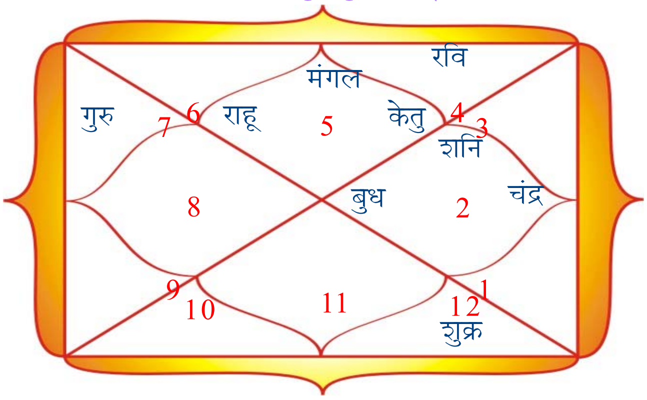

अक्षवेदांश (सर्वास्थिति विचार)

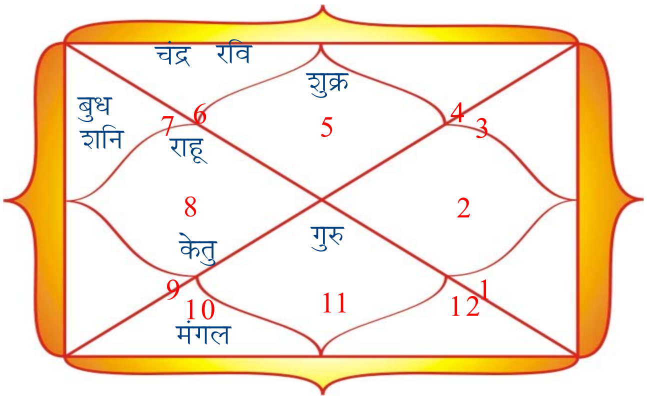

DCP-6 (HINDI)

नैसर्गिक मैत्री चक्र

-	रवि	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहू	केतु
रवि	-	मित्र	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु
चंद्र	मित्र	-	सम	मित्र	सम	सम	सम	शत्रु	शत्रु
मंगल	मित्र	मित्र	-	शत्रु	मित्र	सम	सम	शत्रु	मित्र
बुध	मित्र	शत्रु	सम	-	सम	मित्र	सम	सम	सम
गुरु	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	-	शत्रु	सम	सम	सम
शुक्र	शत्रु	शत्रु	सम	मित्र	सम	-	मित्र	मित्र	मित्र
शनि	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	मित्र	-	मित्र	शत्रु
राहू	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम	सम	मित्र	मित्र	-	शत्रु
केतु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	-

तात्कालिक मैत्री चक्र

-	रवि	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहू	केतु
रवि	-	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु
चंद्र	शत्रु	-	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र
मंगल	मित्र	शत्रु	-	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु
बुध	मित्र	शत्रु	शत्रु	-	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु
गुरु	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	-	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र
शुक्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	-	शत्रु	मित्र	शत्रु
शनि	शत्रु	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	-	मित्र	शत्रु
राहू	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	-	शत्रु
केतु	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	-

पंचधा मैत्री चक्र

-	रवि	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहू	केतु
रवि	--	सम	अधिमित्र	मित्र	अधिमित्र	अधिशत्रु	अधिशत्रु	सम	अधिशत्रु
चंद्र	सम	--	शत्रु	सम	शत्रु	शत्रु	शत्रु	अधिशत्रु	सम
मंगल	अधिमित्र	सम	--	अधिशत्रु	अधिमित्र	मित्र	मित्र	सम	सम
बुध	अधिमित्र	अधिशत्रु	शत्रु	--	मित्र	अधिमित्र	मित्र	मित्र	शत्रु
गुरु	अधिमित्र	सम	अधिमित्र	सम	--	सम	मित्र	मित्र	मित्र
शुक्र	अधिशत्रु	अधिशत्रु	मित्र	अधिमित्र	मित्र	--	सम	अधिमित्र	सम
शनि	अधिशत्रु	अधिशत्रु	सम	अधिमित्र	मित्र	सम	--	अधिमित्र	अधिशत्रु
राहू	सम	अधिशत्रु	सम	मित्र	मित्र	अधिमित्र	अधिमित्र	--	अधिशत्रु
केतु	अधिशत्रु	सम	सम	शत्रु	मित्र	सम	अधिशत्रु	अधिशत्रु	--

DCP-6 (HINDI)

षडबल

-	रवि	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उच्च बल	0.58	43.80	16.28	57.23	50.16	9.98	57.22
सप्तवर्गीय बल	82.50	82.50	88.13	144.38	112.50	123.75	91.88
ओजा यूग्म बल	15.00	30.00	15.00	0.00	15.00	0.00	30.00
केंद्र बल	30.00	60.00	60.00	60.00	15.00	30.00	30.00
द्रेष्काण बल	0.00	0.00	0.00	0.00	15.00	15.00	0.00
स्थान बल	**128.08**	**216.3**	**179.41**	**261.61**	**207.66**	**178.73**	**209.1**
कुल दिक् बल	**15.69**	**6.57**	**7.39**	**29.41**	**45.67**	**39.25**	**42.27**
नाथ बल	16.10	43.90	43.90	60.00	16.10	16.10	43.90
पक्ष बल	9.12	101.77	9.12	9.12	50.88	50.88	9.12
त्रिभाग बल	0.00	60.00	0.00	0.00	60.00	0.00	0.00
अब्दा बल	0.00	15.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
मास बल	0.00	0.00	30.00	0.00	0.00	0.00	0.00
दिवा बल	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	45.00	0.00
होरा बल	0.00	0.00	0.00	0.00	60.00	0.00	0.00
अयन बल	26.56	26.16	24.93	38.28	45.57	7.43	53.03
युद्धा बल	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
कुल काल बल	**51.78**	**246.83**	**107.95**	**107.40**	**232.55**	**119.41**	**106.05**
कुल चेष्टा बल	26.56	101.77	10.85	31.26	25.15	9.66	4.29
कुल नैसर्गिक बल	60.00	51.43	17.14	25.71	34.29	42.86	8.57
कुल दृग्बल	17.14	-15.98	16.23	16.23	-9.86	17.32	17.14
कुल षडबल	**299.25**	**606.92**	**338.96**	**471.62**	**535.46**	**407.23**	**387.42**
षडबळ षडबल (रूपा)	4.99	10.12	5.65	7.86	8.92	6.79	6.46
कमी आवश्यकता	5	6	5	7	6.5	5.5	5
रेषो	1.00	1.69	1.13	1.12	1.37	1.23	1.29
तौलनिक स्थिति	**7**	**1**	**5**	**6**	**2**	**4**	**3**

इष्ट-कष्ट फल

-	रवि	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
इष्ट फल	3.26	47.21	13.29	42.30	35.52	9.82	15.67
कष्ट फल	49.76	12.15	46.36	8.92	18.52	50.18	12.44

भाव बल

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
भावाधिपती बल	471.60	606.90	299.30	299.30	407.20	339.00	535.50	387.40	387.40	387.40	339.00	407.20
भावादिग्बल	60.00	10.00	10.00	0.00	20.00	50.00	30.00	40.00	20.00	30.00	50.00	40.00
भावदृष्टि बल	16.60	8.70	-9.80	-6.30	27.20	55.00	68.60	17.90	65.90	44.30	62.10	26.80
कुल भाव बल	**548.20**	**625.60**	**299.50**	**293.00**	**454.40**	**444.00**	**634.10**	**445.30**	**473.30**	**461.70**	**451.10**	**474.00**
भाव बल (रूपा)	9.1	10.4	5.0	4.9	7.6	7.4	10.6	7.4	7.9	7.7	7.5	7.9
तौलनिक स्थिति	3	2	11	12	7	10	1	9	5	6	8	4

DCP-6 (HINDI)

सर्वाष्टकवर्ग

राशि	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	कुल
लग्न	3	3	4	4	5	4	3	4	6	5	5	3	49
रवि	6	6	5	4	5	3	3	4	3	5	1	3	48
चंद्र	4	4	4	5	6	2	1	4	5	4	4	6	49
मंगल	3	4	4	5	5	2	2	2	2	4	2	4	39
बुध	4	4	8	5	5	4	4	4	3	6	3	4	54
गुरु	4	3	6	6	3	6	5	5	5	3	5	5	56
शुक्र	3	7	5	6	5	2	3	4	3	6	6	2	52
शनि	3	3	4	4	7	2	1	3	2	4	3	3	39
कुल बिन्दु	27	31	36	35	36	21	19	26	23	32	24	27	337
कुल रेखा	29	25	20	21	20	35	37	30	33	24	32	29	335

त्रिकोण शोधन के पश्चात अष्टकवर्ग सारिणी

राशि	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
लग्न	0	0	1	1	2	1	0	1	3	2	2	0
रवि	3	3	4	1	2	0	2	1	0	2	0	0
चंद्र	0	2	3	1	2	0	0	0	1	2	3	2
मंगल	1	2	2	3	3	0	0	0	0	2	0	2
बुध	1	0	5	1	2	0	1	0	0	2	0	0
गुरु	1	0	1	1	0	3	0	0	2	0	0	0
शुक्र	0	5	2	4	2	0	0	2	0	4	3	0
शनि	1	1	3	1	5	0	0	0	0	2	2	0

ऐकाधिपत्य शोधन के पश्चात अष्टकवर्ग सारिणी

राशि	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
लग्न	0	0	0	1	2	1	0	1	3	0	0	0
रवि	1	2	4	1	2	0	2	1	0	2	0	0
चंद्र	0	2	3	1	2	0	0	0	0	2	2	2
मंगल	1	2	2	3	3	0	0	0	0	2	0	2
बुध	1	0	5	1	2	0	1	0	0	2	0	0
गुरु	1	0	0	1	0	3	0	0	2	0	0	0
शुक्र	0	5	2	4	2	0	0	2	0	3	3	0
शनि	1	1	3	1	5	0	0	0	0	0	0	0

शोध्य पिंड

	लग्न	रवि	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
ग्रह पिंड	33	54	30	40	37	39	20	50
राशि पिंड	64	115	124	119	88	44	166	95
शोध्य पिंड	97	169	154	159	125	83	186	145

DCP-6 (HINDI)

साढेसाती विचार

चंद्रमां से कुंडली में जब गोचर शनि की स्थिति द्वादश, प्रथम एवं द्वितीय भाव में होती है तो साढेसाती कहलाती है। शनि की चंद्रमा से चतुर्थ एवं अष्टम भाव में स्थिति होने पर ढैय्या कहलाती है। साढेसाती का प्रभाव सात वर्ष एवं ढैय्या का प्रभाव ढाई वर्ष रहता है यह सामान्य तौर से शारीरिक, मानसिक या आर्थिक कष्ट देता है। लेकिन कई बार यह अश्चिर्यजनक उन्नति भी प्रदान करती है। सामान्य तौर से साढेसाती मनुष्य के जीवन में तीन बार आती है। प्रथम बचपन में दूसरे युवा अवस्था में और तीसरे वृद्धा अवस्था में आती है। प्रथम साढेसाती का प्रभाव शिक्षा एवं माता पिता पर पड़ता है। द्वितीय साढेसाती का प्रभाव कार्यक्षेत्र, आर्थिक स्थिति एवं परिवार पर पड़ता है और तृतीय साढेसाती स्वास्थ्य पर अधिक प्रभाव करती है।

पनोती	शनि भाव	प्रवेश	निकास	पाया	13°	15°
छोटी पनोती	तुला	21/08/1953	12/11/1955	तांबा	17/12/1953	12/10/1954
साढेसाती	कुंभ	27/01/1964	09/04/1966	लोहा	16/2/1965	13/3/1965
साढेसाती	मीन	09/04/1966	03/11/1966	चांदी		
साढेसाती	कुंभ	03/11/1966	19/12/1966	लोहा		
साढेसाती	मीन	19/12/1966	17/06/1968	सोना	25/4/1967	14/2/1968
साढेसाती	मेष	17/06/1968	28/09/1968	लोहा		
साढेसाती	मीन	28/09/1968	07/03/1969	चांदी		
साढेसाती	मेष	07/03/1969	28/04/1971	लोहा	27/6/1969	12/4/1970
छोटी पनोती	मिथुन	10/06/1973	23/07/1975	तांबा	16/6/1974	9/7/1974
छोटी पनोती	तुला	06/10/1982	21/12/1984	चांदी	26/10/1983	20/11/1983
छोटी पनोती	तुला	01/06/1985	17/09/1985	लोहा		
साढेसाती	कुंभ	05/03/1993	15/10/1993	चांदी		
साढेसाती	कुंभ	10/11/1993	02/06/1995	सोना	27/3/1994	20/1/1995
साढेसाती	मीन	02/06/1995	10/08/1995	लोहा		
साढेसाती	कुंभ	10/08/1995	16/02/1996	सोना		
साढेसाती	मीन	16/02/1996	17/04/1998	तांबा	22/6/1996	27/3/1997
साढेसाती	मेष	17/04/1998	07/06/2000	तांबा	28/4/1999	22/5/1999
छोटी पनोती	मिथुन	23/07/2002	08/01/2003	तांबा		
छोटी पनोती	मिथुन	07/04/2003	06/09/2004	तांबा	28/7/2003	12/5/2004
छोटी पनोती	मिथुन	13/01/2005	26/05/2005	लोहा		
छोटी पनोती	तुला	15/11/2011	16/05/2012	लोहा		
छोटी पनोती	तुला	04/08/2012	02/11/2014	लोहा	5/12/2012	1/10/2013
साढेसाती	कुंभ	29/04/2022	12/07/2022	सोना		
साढेसाती	कुंभ	17/01/2023	29/03/2025	चांदी	11/6/2023	3/3/2024
साढेसाती	मीन	29/03/2025	03/06/2027	सोना	14/4/2026	31/1/2027
साढेसाती	मेष	03/06/2027	20/10/2027	चांदी		
साढेसाती	मीन	20/10/2027	23/02/2028	तांबा		
साढेसाती	मेष	23/02/2028	08/08/2029	सोना	12/6/2028	1/4/2029
साढेसाती	मेष	05/10/2029	17/04/2030	सोना		
छोटी पनोती	मिथुन	31/05/2032	13/07/2034	लोहा	5/6/2033	29/6/2033

DCP-6 (HINDI)

शोडषवर्ग सारिणी

-	लग्न	रवि	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहू	केतु
लग्न	3	7	12	6	6	5	7	7	8	2
होरा	4	5	4	5	5	5	4	4	5	5
द्रेष्काण	11	11	4	10	2	5	3	3	4	10
सप्तमांश	8	9	9	3	5	6	1	1	8	2
नवमांश	1	10	8	3	4	2	3	3	11	5
द्वादशांश	11	11	5	12	3	6	5	6	6	12
त्रिशांश	3	9	12	12	10	1	7	7	8	8
दशमांश	10	10	12	7	9	6	3	4	12	6
षोडशांश	8	7	4	5	9	7	3	4	6	6
ष्टयंश	10	6	4	3	4	2	12	3	12	6
चतुर्थांश	9	10	3	12	3	5	4	4	5	11
विंशांश	7	8	2	4	8	12	6	7	2	2
चतुर्विंशांश	10	2	3	5	10	8	2	3	12	12
भामशांश	2	5	10	7	12	5	7	8	9	3
खवेदांश	5	4	2	5	2	7	12	2	5	5
अक्षवेदांश	5	6	6	10	7	11	5	7	8	8

विंशोपका बल

-	रवि	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहू	केतु
षडवर्ग	7.15	11.20	10.25	15.40	15.20	16.10	13.90	11.50	7.75
सप्तवर्ग	8.45	10.92	12.03	17.02	14.80	14.32	13.50	11.38	9.25
दसावर्ग	10.58	13.40	10.40	13.55	13.00	15.53	12.68	12.60	8.05
शोडषवर्ग	9.80	12.50	10.27	12.95	13.57	16.17	12.60	13.15	7.70

DCP-6 (HINDI)

अष्टोत्तरी अन्तर दशा

(भोग्य दशा : राहू - 09 साल, 06 महीना, 04 दिन)

	राहू (12)	28/10/1955 02/05/1965	आयु
	-		
++	शुक्र	31/12/1956	1
*	रवि	01/09/1957	1
--	चंद्र	03/05/1959	3
*	मंगल	22/03/1960	4
+	बुध	10/02/1962	6
++	शनि	23/03/1963	7
S+	गुरु	02/05/1965	9

	शुक्र (21)	02/05/1965 02/05/1986	आयु
S	शुक्र	01/06/1969	13
S--	रवि	02/08/1970	14
s-	चंद्र	02/07/1973	17
s+	मंगल	21/01/1975	19
++	बुध	12/05/1978	22
*	शनि	22/04/1980	24
s*	गुरु	01/01/1984	28
++	राहू	02/05/1986	30

	रवि (6)	02/05/1986 02/05/1992	आयु
	रवि	01/09/1986	30
*	चंद्र	02/07/1987	31
++	मंगल	12/12/1987	32
++	बुध	21/11/1988	33
--	शनि	12/06/1989	33
++	गुरु	02/07/1990	34
*	राहू	03/03/1991	35
--	शुक्र	02/05/1992	36

	चंद्र (15)	02/05/1992 03/05/2007	आयु
S	चंद्र	02/06/1994	38
S*	मंगल	13/07/1995	39
S--	बुध	21/11/1997	42
S--	शनि	12/04/1999	43
*	गुरु	01/12/2001	46
s--	राहू	02/08/2003	47
--	शुक्र	02/07/2006	50
*	रवि	03/05/2007	51

	मंगल (8)	03/05/2007 03/05/2015	आयु
	मंगल	05/12/2007	52
-	बुध	09/03/2009	53
*	शनि	04/12/2009	54
++	गुरु	03/05/2011	55
s*	राहू	22/03/2012	56
s+	शुक्र	11/10/2013	57
s++	रवि	23/03/2014	58
-	चंद्र	03/05/2015	59

	बुध (17)	03/05/2015 02/05/2032	आयु
	बुध	04/01/2018	62
++	शनि	02/08/2019	63
*	गुरु	29/07/2022	66
S+	राहू	18/06/2024	68
S++	शुक्र	08/10/2027	71
S+	रवि	17/09/2028	72
*	चंद्र	28/01/2031	75
--	मंगल	02/05/2032	76

	शनि (10)	02/05/2032 02/05/2042	आयु
s	शनि	05/04/2033	77
+	गुरु	08/01/2035	79
++	राहू	17/02/2036	80
*	शुक्र	28/01/2038	82
--	रवि	19/08/2038	82
-	चंद्र	08/01/2040	84
+	मंगल	04/10/2040	84
s+	बुध	02/05/2042	86

	गुरु (19)	02/05/2042 02/05/2061	आयु
	गुरु	04/09/2045	89
+	राहू	15/10/2047	91
+	शुक्र	26/06/2051	95
S++	रवि	15/07/2052	96
S-	चंद्र	06/03/2055	99
S++	मंगल	01/08/2056	100
+	बुध	29/07/2059	103
+	शनि	02/05/2061	105

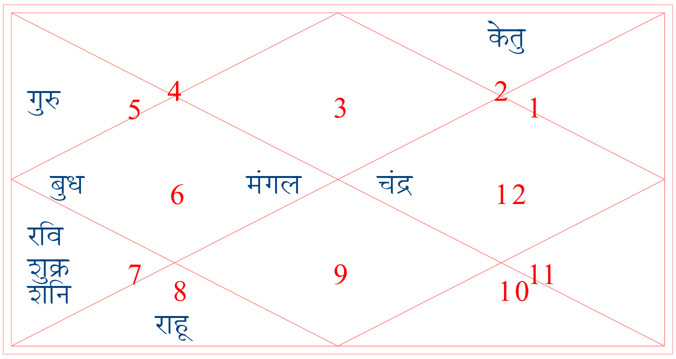

Note:
- Dates specified above are ending dates.
- The sign besides date indicates the following :

S = Sadesati   s = Small Panoti
+ = Friend   - = Enemy
* = Neutral   -- = Bitter Enemy
++ = Intimate

अष्टोत्तरी प्रत्यन्तर दशा

महादशा - राहू : 28/10/1955 - 02/05/1965

	-	-	++	शुक्र	31/12/1956	*	रवि	01/09/1957	--	चंद्र	03/05/1959
	-			-			रवि	14/01/1957		चंद्र	24/11/1957
	-			-		*	चंद्र	17/02/1957	*	मंगल	08/01/1958
	-			-		++	मंगल	07/03/1957	--	बुध	14/04/1958
	-			-		++	बुध	14/04/1957	--	शनि	10/06/1958
	-		++	बुध	12/02/1956	--	शनि	07/05/1957	*	गुरु	25/09/1958
	-		*	शनि	01/05/1956	++	गुरु	18/06/1957	--	राहू	01/12/1958
	-		*	गुरु	28/09/1956	*	राहू	15/07/1957	--	शुक्र	30/03/1959
	-		++	राहू	31/12/1956	--	शुक्र	01/09/1957	*	रवि	03/05/1959

*	मंगल	22/03/1960	+	बुध	10/02/1962	++	शनि	23/03/1963	+	गुरु	02/05/1965
	मंगल	27/05/1959		बुध	09/07/1960		शनि	20/03/1962		गुरु	06/08/1963
-	बुध	17/07/1959	++	शनि	11/09/1960	+	गुरु	30/05/1962	+	राहू	30/10/1963
*	शनि	16/08/1959	*	गुरु	10/01/1961	++	राहू	14/07/1962	S+	शुक्र	28/03/1964
++	गुरु	12/10/1959	+	राहू	28/03/1961	*	शुक्र	01/10/1962	S++	रवि	10/05/1964
*	राहू	17/11/1959	++	शुक्र	09/08/1961	--	रवि	24/10/1962	S-	चंद्र	25/08/1964
+	शुक्र	19/01/1960	+	रवि	16/09/1961	-	चंद्र	19/12/1962	S++	मंगल	21/10/1964
++	रवि	06/02/1960	*	चंद्र	21/12/1961	+	मंगल	18/01/1963	S+	बुध	20/02/1965
-	चंद्र	22/03/1960	--	मंगल	10/02/1962	+	बुध	23/03/1963	S+	शनि	02/05/1965

महादशा - शुक्र : 02/05/1965 - 02/05/1986

	शुक्र	01/06/1969	--	रवि	02/08/1970	-	चंद्र	02/07/1973	+	मंगल	21/01/1975
S	शुक्र	16/02/1966	S	रवि	25/06/1969	S	चंद्र	28/12/1970	s	मंगल	13/08/1973
S--	रवि	10/05/1966	S*	चंद्र	23/08/1969	S*	मंगल	16/03/1971	s-	बुध	10/11/1973
S-	चंद्र	03/12/1966	S++	मंगल	24/09/1969	--	बुध	31/08/1971	s*	शनि	02/01/1974
S+	मंगल	24/03/1967	S++	बुध	30/11/1969	--	शनि	08/12/1971	s++	गुरु	12/04/1974
S++	बुध	13/11/1967	S--	शनि	08/01/1970	*	गुरु	12/06/1972	s*	राहू	14/06/1974
S*	शनि	30/03/1968	S++	गुरु	24/03/1970	--	राहू	09/10/1972	s+	शुक्र	03/10/1974
S*	गुरु	18/12/1968	S*	राहू	11/05/1970	--	शुक्र	04/05/1973	s++	रवि	03/11/1974
S++	राहू	01/06/1969	S--	शुक्र	02/08/1970	s*	रवि	02/07/1973	s-	चंद्र	21/01/1975

++	बुध	12/05/1978	*	शनि	22/04/1980	*	गुरु	01/01/1984	++	राहू	02/05/1986
	बुध	30/07/1975		शनि	17/07/1978		गुरु	15/12/1980	s	राहू	05/04/1984
++	शनि	19/11/1975	+	गुरु	19/11/1978	+	राहू	14/05/1981	s++	शुक्र	17/09/1984
*	गुरु	18/06/1976	++	राहू	06/02/1979	+	शुक्र	31/01/1982	s*	रवि	04/11/1984
+	राहू	30/10/1976	*	शुक्र	24/06/1979	++	रवि	16/04/1982	--	चंद्र	02/03/1985
++	शुक्र	22/06/1977	--	रवि	03/08/1979	s-	चंद्र	21/10/1982	*	मंगल	04/05/1985
+	रवि	28/08/1977	-	चंद्र	09/11/1979	s++	मंगल	29/01/1983	s+	बुध	15/09/1985
*	चंद्र	12/02/1978	+	मंगल	01/01/1980	s+	बुध	29/08/1983	++	शनि	03/12/1985
--	मंगल	12/05/1978	+	बुध	22/04/1980	s+	शनि	01/01/1984	+	गुरु	02/05/1986

Note : Dates specified above are ending dates, S : Sadesati, s : Small Panoti
+ : Friend, - : Enemy, * : Neutral, ++ : Intimate, -- : Bitter Enemy

DCP-6 (HINDI)

अष्टोत्तरी प्रत्यन्तर दशा

महादशा - रवि : 02/05/1986 - 02/05/1992

	रवि	01/09/1986	*	चंद्र	02/07/1987	++	मंगल	12/12/1987	++	बुध	21/11/1988
	रवि	09/05/1986		चंद्र	13/10/1986		मंगल	14/07/1987		बुध	04/02/1988
*	चंद्र	26/05/1986	*	मंगल	05/11/1986	-	बुध	09/08/1987	++	शनि	07/03/1988
++	मंगल	04/06/1986	--	बुध	23/12/1986	*	शनि	24/08/1987	*	गुरु	07/05/1988
++	बुध	23/06/1986	--	शनि	20/01/1987	++	गुरु	22/09/1987	+	राहू	14/06/1988
--	शनि	04/07/1986	*	गुरु	15/03/1987	*	राहू	10/10/1987	++	शुक्र	20/08/1988
++	गुरु	26/07/1986	--	राहू	17/04/1987	+	शुक्र	10/11/1987	+	रवि	08/09/1988
*	राहू	08/08/1986	--	शुक्र	16/06/1987	++	रवि	19/11/1987	*	चंद्र	26/10/1988
--	शुक्र	01/09/1986	*	रवि	02/07/1987	-	चंद्र	12/12/1987	--	मंगल	21/11/1988

--	शनि	12/06/1989	++	गुरु	02/07/1990	*	राहू	03/03/1991	--	शुक्र	02/05/1992
	शनि	10/12/1988		गुरु	18/08/1989		राहू	29/07/1990		शुक्र	25/05/1991
+	गुरु	14/01/1989	+	राहू	30/09/1989	++	शुक्र	15/09/1990	--	रवि	17/06/1991
++	राहू	06/02/1989	+	शुक्र	14/12/1989	*	रवि	28/09/1990	-	चंद्र	15/08/1991
*	शुक्र	17/03/1989	++	रवि	05/01/1990	--	चंद्र	01/11/1990	+	मंगल	16/09/1991
--	रवि	28/03/1989	-	चंद्र	27/02/1990	*	मंगल	19/11/1990	++	बुध	22/11/1991
-	चंद्र	26/04/1989	++	मंगल	28/03/1990	+	बुध	27/12/1990	*	शनि	31/12/1991
+	मंगल	11/05/1989	+	बुध	27/05/1990	++	शनि	19/01/1991	*	गुरु	15/03/1992
+	बुध	12/06/1989	+	शनि	02/07/1990	+	गुरु	03/03/1991	++	राहू	02/05/1992

महादशा - चंद्र : 02/05/1992 - 03/05/2007

	चंद्र	02/06/1994	*	मंगल	13/07/1995	--	बुध	21/11/1997	--	शनि	12/04/1999
	चंद्र	15/08/1992	S	मंगल	02/07/1994	S	बुध	25/11/1995	S	शनि	07/01/1998
*	मंगल	11/10/1992	S-	बुध	04/09/1994	S++	शनि	13/02/1996	S+	गुरु	06/04/1998
--	बुध	08/02/1993	S*	शनि	11/10/1994	S*	गुरु	14/07/1996	S++	राहू	02/06/1998
S--	शनि	19/04/1993	S++	गुरु	22/12/1994	S+	राहू	18/10/1996	S*	शुक्र	08/09/1998
S*	गुरु	31/08/1993	S*	राहू	05/02/1995	S++	शुक्र	03/04/1997	S--	रवि	06/10/1998
S--	राहू	23/11/1993	S+	शुक्र	25/04/1995	S+	रवि	21/05/1997	S-	चंद्र	16/12/1998
S--	शुक्र	20/04/1994	S++	रवि	17/05/1995	S*	चंद्र	18/09/1997	S+	मंगल	22/01/1999
S*	रवि	02/06/1994	S-	चंद्र	13/07/1995	S--	मंगल	21/11/1997	S+	बुध	12/04/1999

*	गुरु	01/12/2001	--	राहू	02/08/2003	--	शुक्र	02/07/2006	*	रवि	03/05/2007
S	गुरु	29/09/1999		राहू	07/02/2002	s	शुक्र	25/02/2004		रवि	19/07/2006
S+	राहू	14/01/2000	++	शुक्र	05/06/2002	s--	रवि	24/04/2004	*	चंद्र	30/08/2006
+	शुक्र	19/07/2000	*	रवि	09/07/2002	-	चंद्र	19/09/2004	++	मंगल	22/09/2006
++	रवि	11/09/2000	s--	चंद्र	01/10/2002	+	मंगल	07/12/2004	++	बुध	09/11/2006
-	चंद्र	23/01/2001	s*	मंगल	16/11/2002	s++	बुध	24/05/2005	--	शनि	07/12/2006
++	मंगल	04/04/2001	+	बुध	19/02/2003	*	शनि	30/08/2005	++	गुरु	30/01/2007
+	बुध	03/09/2001	s++	शनि	17/04/2003	*	गुरु	06/03/2006	*	राहू	04/03/2007
+	शनि	01/12/2001	s+	गुरु	02/08/2003	++	राहू	02/07/2006	--	शुक्र	03/05/2007

Note : Dates specified above are ending dates, S : Sadesati, s : Small Panoti
+ : Friend, - : Enemy, * : Neutral, ++ : Intimate, -- : Bitter Enemy

DCP-6 (HINDI)

अष्टोत्तरी प्रत्यन्तर दशा

महादशा - मंगल : 03/05/2007 - 03/05/2015

	मंगल	**05/12/2007**	**-**	**बुध**	**09/03/2009**	*****	**शनि**	**04/12/2009**	**++**	**गुरु**	**03/05/2011**
	मंगल	19/05/2007		बुध	15/02/2008		शनि	03/04/2009		गुरु	05/03/2010
-	बुध	22/06/2007	++	शनि	29/03/2008	+	गुरु	21/05/2009	+	राहू	01/05/2010
*	शनि	12/07/2007	*	गुरु	18/06/2008	++	राहू	20/06/2009	+	शुक्र	09/08/2010
++	गुरु	19/08/2007	+	राहू	08/08/2008	*	शुक्र	11/08/2009	++	रवि	07/09/2010
*	राहू	12/09/2007	++	शुक्र	05/11/2008	--	रवि	26/08/2009	-	चंद्र	17/11/2010
+	शुक्र	24/10/2007	+	रवि	01/12/2008	-	चंद्र	03/10/2009	++	मंगल	25/12/2010
++	रवि	05/11/2007	*	चंद्र	03/02/2009	+	मंगल	23/10/2009	+	बुध	16/03/2011
-	चंद्र	05/12/2007	--	मंगल	09/03/2009	+	बुध	04/12/2009	+	शनि	03/05/2011

*****	**राहू**	**22/03/2012**	**+**	**शुक्र**	**11/10/2013**	**++**	**रवि**	**23/03/2014**	**-**	**चंद्र**	**03/05/2015**
	राहू	08/06/2011		शुक्र	11/07/2012	s	रवि	20/10/2013	s	चंद्र	18/05/2014
++	शुक्र	10/08/2011	s--	रवि	11/08/2012	s*	चंद्र	12/11/2013	s*	मंगल	17/06/2014
*	रवि	28/08/2011	s-	चंद्र	29/10/2012	s++	मंगल	24/11/2013	s--	बुध	20/08/2014
--	चंद्र	12/10/2011	s+	मंगल	10/12/2012	s++	बुध	20/12/2013	s--	शनि	27/09/2014
*	मंगल	05/11/2011	s++	बुध	10/03/2013	s--	शनि	04/01/2014	*	गुरु	07/12/2014
s+	बुध	26/12/2011	s*	शनि	01/05/2013	s++	गुरु	01/02/2014	--	राहू	21/01/2015
s++	शनि	25/01/2012	s*	गुरु	09/08/2013	s*	राहू	19/02/2014	--	शुक्र	10/04/2015
s+	गुरु	22/03/2012	s++	राहू	11/10/2013	s--	शुक्र	23/03/2014	*	रवि	03/05/2015

महादशा - बुध : 03/05/2015 - 02/05/2032

	बुध	**04/01/2018**	**++**	**शनि**	**02/08/2019**	*****	**गुरु**	**29/07/2022**	**+**	**राहू**	**18/06/2024**
	बुध	03/10/2015		शनि	26/02/2018		गुरु	10/02/2020		राहू	14/10/2022
++	शनि	02/01/2016	+	गुरु	07/06/2018	+	राहू	10/06/2020	S++	शुक्र	25/02/2023
*	गुरु	22/06/2016	++	राहू	10/08/2018	+	शुक्र	09/01/2021	S*	रवि	04/04/2023
+	राहू	08/10/2016	*	शुक्र	30/11/2018	++	रवि	11/03/2021	S--	चंद्र	09/07/2023
++	शुक्र	16/04/2017	--	रवि	01/01/2019	-	चंद्र	09/08/2021	S*	मंगल	29/08/2023
+	रवि	10/06/2017	-	चंद्र	22/03/2019	++	मंगल	29/10/2021	S+	बुध	16/12/2023
*	चंद्र	24/10/2017	+	मंगल	03/05/2019	+	बुध	19/04/2022	S++	शनि	18/02/2024
--	मंगल	04/01/2018	+	बुध	02/08/2019	+	शनि	29/07/2022	S+	गुरु	18/06/2024

++	**शुक्र**	**08/10/2027**	**+**	**रवि**	**17/09/2028**	*****	**चंद्र**	**28/01/2031**	**--**	**मंगल**	**02/05/2032**
S	शुक्र	08/02/2025	S	रवि	28/10/2027	S	चंद्र	15/01/2029		मंगल	03/03/2031
S--	रवि	16/04/2025	S*	चंद्र	15/12/2027	S*	मंगल	20/03/2029	-	बुध	14/05/2031
S-	चंद्र	01/10/2025	S++	मंगल	09/01/2028	S--	बुध	03/08/2029	*	शनि	26/06/2031
S+	मंगल	29/12/2025	S++	बुध	03/03/2028	S--	शनि	22/10/2029	++	गुरु	15/09/2031
S++	बुध	07/07/2026	S--	शनि	04/04/2028	S*	गुरु	22/03/2030	*	राहू	05/11/2031
S*	शनि	27/10/2026	S++	गुरु	04/06/2028	--	राहू	26/06/2030	+	शुक्र	02/02/2032
S*	गुरु	27/05/2027	S*	राहू	12/07/2028	--	शुक्र	11/12/2030	++	रवि	02/03/2032
S++	राहू	08/10/2027	S--	शुक्र	17/09/2028	*	रवि	28/01/2031	-	चंद्र	02/05/2032

Note : Dates specified above are ending dates, S : Sadesati, s : Small Panoti
+ : Friend, - : Enemy, * : Neutral, ++ : Intimate, -- : Bitter Enemy

DCP-6 (HINDI)

अष्टोत्तरी प्रत्यन्तर दशा

महादशा - शनि : 02/05/2032 - 02/05/2042

	शनि	**05/04/2033**	**+**	**गुरु**	**08/01/2035**	**++**	**राहू**	**17/02/2036**	*****	**शुक्र**	**28/01/2038**
s	शनि	02/06/2032	s	गुरु	27/07/2033		राहू	22/02/2035		शुक्र	04/07/2036
s+	गुरु	01/08/2032	s+	राहू	06/10/2033	++	शुक्र	12/05/2035	--	रवि	13/08/2036
s++	राहू	07/09/2032	s+	शुक्र	08/02/2034	*	रवि	03/06/2035	-	चंद्र	20/11/2036
s*	शुक्र	12/11/2032	s++	रवि	16/03/2034	--	चंद्र	29/07/2035	+	मंगल	11/01/2037
s--	रवि	01/12/2032	s-	चंद्र	13/06/2034	*	मंगल	29/08/2035	++	बुध	03/05/2037
s-	चंद्र	17/01/2033	++	मंगल	31/07/2034	+	बुध	31/10/2035	*	शनि	08/07/2037
s+	मंगल	11/02/2033	+	बुध	09/11/2034	++	शनि	08/12/2035	*	गुरु	10/11/2037
s+	बुध	05/04/2033	+	शनि	08/01/2035	+	गुरु	17/02/2036	++	राहू	28/01/2038

--	**रवि**	**19/08/2038**	**-**	**चंद्र**	**08/01/2040**	**+**	**मंगल**	**04/10/2040**	**+**	**बुध**	**02/05/2042**
	रवि	08/02/2038		चंद्र	28/10/2038		मंगल	28/01/2040		बुध	03/01/2041
*	चंद्र	08/03/2038	*	मंगल	05/12/2038	-	बुध	10/03/2040	++	शनि	25/02/2041
++	मंगल	23/03/2038	--	बुध	22/02/2039	*	शनि	04/04/2040	*	गुरु	06/06/2041
++	बुध	24/04/2038	--	शनि	10/04/2039	++	गुरु	22/05/2040	+	राहू	09/08/2041
--	शनि	13/05/2038	*	गुरु	09/07/2039	*	राहू	21/06/2040	s++	शुक्र	29/11/2041
++	गुरु	18/06/2038	--	राहू	03/09/2039	+	शुक्र	13/08/2040	s+	रवि	31/12/2041
*	राहू	10/07/2038	--	शुक्र	11/12/2039	++	रवि	28/08/2040	s*	चंद्र	21/03/2042
--	शुक्र	19/08/2038	*	रवि	08/01/2040	-	चंद्र	04/10/2040	s--	मंगल	02/05/2042

महादशा - गुरु : 02/05/2042 - 02/05/2061

	गुरु	**04/09/2045**	**+**	**राहू**	**15/10/2047**	**+**	**शुक्र**	**26/06/2051**	**++**	**रवि**	**15/07/2052**
s	गुरु	03/12/2042		राहू	29/11/2045		शुक्र	04/07/2048		रवि	17/07/2051
s+	राहू	18/04/2043	++	शुक्र	28/04/2046	--	रवि	17/09/2048	*	चंद्र	09/09/2051
s+	शुक्र	11/12/2043	*	रवि	10/06/2046	-	चंद्र	23/03/2049	++	मंगल	07/10/2051
++	रवि	17/02/2044	--	चंद्र	25/09/2046	+	मंगल	01/07/2049	++	बुध	07/12/2051
s-	चंद्र	05/08/2044	*	मंगल	21/11/2046	++	बुध	29/01/2050	--	शनि	12/01/2052
++	मंगल	03/11/2044	+	बुध	22/03/2047	*	शनि	03/06/2050	S++	गुरु	19/03/2052
+	बुध	14/05/2045	++	शनि	02/06/2047	*	गुरु	27/01/2051	S*	राहू	01/05/2052
+	शनि	04/09/2045	+	गुरु	15/10/2047	++	राहू	26/06/2051	S--	शुक्र	15/07/2052

-	**चंद्र**	**06/03/2055**	**++**	**मंगल**	**01/08/2056**	**+**	**बुध**	**29/07/2059**	**+**	**शनि**	**02/05/2061**
S	चंद्र	26/11/2052	S	मंगल	13/04/2055	S	बुध	20/01/2057		शनि	27/09/2059
S*	मंगल	05/02/2053	S-	बुध	03/07/2055	S++	शनि	01/05/2057	+	गुरु	18/01/2060
S--	बुध	07/07/2053	S*	शनि	20/08/2055	S*	गुरु	09/11/2057	++	राहू	29/03/2060
S--	शनि	04/10/2053	S++	गुरु	18/11/2055	S+	राहू	11/03/2058	*	शुक्र	01/08/2060
S*	गुरु	23/03/2054	S*	राहू	14/01/2056	S++	शुक्र	09/10/2058	--	रवि	06/09/2060
S--	राहू	08/07/2054	S+	शुक्र	23/04/2056	S+	रवि	09/12/2058	-	चंद्र	04/12/2060
S--	शुक्र	12/01/2055	S++	रवि	22/05/2056	S*	चंद्र	10/05/2059	+	मंगल	21/01/2061
S*	रवि	06/03/2055	S-	चंद्र	01/08/2056	--	मंगल	29/07/2059	+	बुध	02/05/2061

Note : Dates specified above are ending dates, S : Sadesati, s : Small Panoti
+ : Friend, - : Enemy, * : Neutral, ++ : Intimate, -- : Bitter Enemy

DCP-6 (HINDI)

विंशोत्तरी महादशा

(भोग्य दशा : शनि - 03 साल, 02 महीना, 23 दिन)

	शनि (19)	28/10/1955 20/01/1959	आ यु
-	-	-	-
-	-	-	-
-	-	-	-
-	-	-	-
-	-	-	-
-	-	-	-
-	-	-	-
++	राहू	09/07/1956	1
+	गुरु	20/01/1959	3

	बुध (17)	20/01/1959 21/01/1976	आ यु
	बुध	18/06/1961	5
-	केतु	15/06/1962	6
S++	शुक्र	15/04/1965	9
S+	रवि	20/02/1966	10
S*	चंद्र	22/07/1967	11
S--	मंगल	18/07/1968	12
S+	राहू	05/02/1971	15
*	गुरु	12/05/1973	17
++	शनि	21/01/1976	20

	केतु (7)	21/01/1976 20/01/1983	आ यु
	केतु	18/06/1976	20
*	शुक्र	18/08/1977	21
--	रवि	24/12/1977	22
*	चंद्र	25/07/1978	22
*	मंगल	21/12/1978	23
--	राहू	08/01/1980	24
+	गुरु	14/12/1980	25
--	शनि	23/01/1982	26
s-	बुध	20/01/1983	27

	शुक्र (20)	20/01/1983 20/01/2003	आ यु
	शुक्र	22/05/1986	30
--	रवि	22/05/1987	31
-	चंद्र	20/01/1989	33
+	मंगल	22/03/1990	34
S++	राहू	22/03/1993	37
S*	गुरु	21/11/1995	40
S*	शनि	20/01/1999	43
++	बुध	20/11/2001	46
*	केतु	20/01/2003	47

	रवि (6)	20/01/2003 20/01/2009	आ यु
s	रवि	10/05/2003	47
s*	चंद्र	09/11/2003	48
s++	मंगल	15/03/2004	48
s*	राहू	07/02/2005	49
++	गुरु	26/11/2005	50
--	शनि	08/11/2006	51
++	बुध	15/09/2007	51
--	केतु	21/01/2008	52
--	शुक्र	20/01/2009	53

	चंद्र (10)	20/01/2009 20/01/2019	आ यु
	चंद्र	20/11/2009	54
*	मंगल	21/06/2010	54
s--	राहू	21/12/2011	56
s*	गुरु	21/04/2013	57
--	शनि	20/11/2014	59
--	बुध	21/04/2016	60
*	केतु	20/11/2016	61
--	शुक्र	22/07/2018	62
*	रवि	20/01/2019	63

	मंगल (7)	20/01/2019 20/01/2026	आ यु
	मंगल	19/06/2019	63
*	राहू	06/07/2020	64
++	गुरु	12/06/2021	65
*	शनि	22/07/2022	66
S-	बुध	19/07/2023	67
S*	केतु	15/12/2023	68
S+	शुक्र	13/02/2025	69
S++	रवि	21/06/2025	69
S-	चंद्र	20/01/2026	70

	राहू (18)	20/01/2026 21/01/2044	आ यु
S	राहू	02/10/2028	72
+	गुरु	26/02/2031	75
s++	शनि	02/01/2034	78
+	बुध	21/07/2036	80
--	केतु	09/08/2037	81
++	शुक्र	09/08/2040	84
*	रवि	03/07/2041	85
s--	चंद्र	02/01/2043	87
*	मंगल	21/01/2044	88

	गुरु (16)	21/01/2044 21/01/2060	आ यु
	गुरु	10/03/2046	90
+	शनि	20/09/2048	92
+	बुध	27/12/2050	95
+	केतु	03/12/2051	96
S+	शुक्र	03/08/2054	98
S++	रवि	22/05/2055	99
S-	चंद्र	20/09/2056	100
S++	मंगल	27/08/2057	101
+	राहू	21/01/2060	104

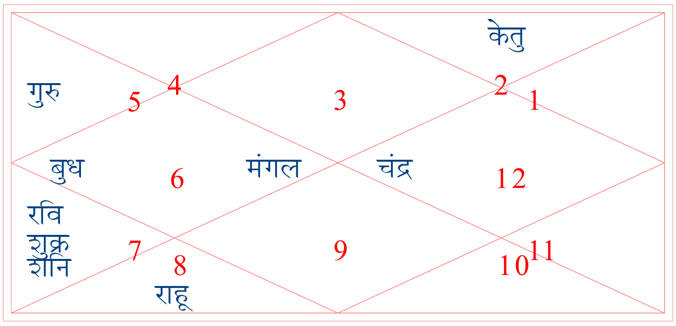

Note:

- Dates specified above are ending dates.
- The sign besides date indicates the following :

S = Sadesati s = Small Panoti
+ = Friend - = Enemy
* = Neutral -- = Bitter Enemy
++ = Intimate

DCP-6 (HINDI)

विंशोत्तरी प्रत्यन्तर दशा

महादशा - शनि : 28/10/1955 - 20/01/1959

- - -	- - -	- - -	- - -	- - -
- - -	- - -	- - -	- - -	- - -
- - -	- - -	- - -	- - -	- - -
- - -	- - -	- - -	- - -	- - -
- - -	- - -	- - -	- - -	- - -
- - -	- - -	- - -	- - -	- - -
- - -	- - -	- - -	- - -	- - -
- - -	- - -	- - -	- - -	- - -
- - -	- - -	- - -	- - -	- - -
- - -	- - -	- - -	- - -	- - -

- - -	- - -	++ राहू 09/07/1956	+ गुरु 20/01/1959
- - -	- - -	- - -	गुरु 09/11/1956
- - -	- - -	- - -	+ शनि 05/04/1957
- - -	- - -	- - -	+ बुध 14/08/1957
- - -	- - -	- - -	+ केतु 07/10/1957
- - -	- - -	- - -	+ शुक्र 10/03/1958
- - -	- - -	++ शुक्र 23/12/1955	++ रवि 25/04/1958
- - -	- - -	* रवि 13/02/1956	- चंद्र 12/07/1958
- - -	- - -	-- चंद्र 09/05/1956	++ मंगल 04/09/1958
- - -	- - -	* मंगल 09/07/1956	+ राहू 20/01/1959

महादशा - बुध : 20/01/1959 - 21/01/1976

बुध 18/06/1961	- केतु 15/06/1962	++ शुक्र 15/04/1965	+ रवि 20/02/1966	* चंद्र 22/07/1967
बुध 25/05/1959	केतु 09/07/1961	शुक्र 05/12/1962	S रवि 01/05/1965	S चंद्र 04/04/1966
- केतु 15/07/1959	* शुक्र 08/09/1961	-- रवि 25/01/1963	S* चंद्र 26/05/1965	S* मंगल 04/05/1966
++ शुक्र 09/12/1959	-- रवि 26/09/1961	- चंद्र 22/04/1963	S++मंगल 14/06/1965	S-- राहू 20/07/1966
+ रवि 22/01/1960	* चंद्र 26/10/1961	+ मंगल 21/06/1963	S* राहू 30/07/1965	S* गुरु 27/09/1966
* चंद्र 04/04/1960	* मंगल 16/11/1961	++ राहू 23/11/1963	S++गुरु 10/09/1965	S-- शनि 18/12/1966
-- मंगल 26/05/1960	-- राहू 09/01/1962	S* गुरु 09/04/1964	S-- शनि 29/10/1965	S-- बुध 02/03/1967
+ राहू 04/10/1960	+ गुरु 27/02/1962	S* शनि 20/09/1964	S++बुध 12/12/1965	S* केतु 01/04/1967
* गुरु 30/01/1961	-- शनि 25/04/1962	S++बुध 14/02/1965	S-- केतु 30/12/1965	S-- शुक्र 26/06/1967
++ शनि 18/06/1961	- बुध 15/06/1962	S* केतु 15/04/1965	S-- शुक्र 20/02/1966	S* रवि 22/07/1967

-- मंगल 18/07/1968	+ राहू 05/02/1971	* गुरु 12/05/1973	++ शनि 21/01/1976
S मंगल 12/08/1967	S राहू 05/12/1968	गुरु 26/05/1971	s शनि 15/10/1973
S* राहू 05/10/1967	S+ गुरु 08/04/1969	+ शनि 04/10/1971	s+ बुध 03/03/1974
S++गुरु 23/11/1967	S++शनि 03/09/1969	+ बुध 29/01/1972	s-- केतु 30/04/1974
S* शनि 19/01/1968	S+ बुध 13/01/1970	+ केतु 18/03/1972	s* शुक्र 11/10/1974
S- बुध 10/03/1968	S-- केतु 08/03/1970	+ शुक्र 03/08/1972	s-- रवि 29/11/1974
S* केतु 01/04/1968	S++शुक्र 10/08/1970	++ रवि 13/09/1972	s- चंद्र 19/02/1975
S+ शुक्र 31/05/1968	S* रवि 26/09/1970	- चंद्र 21/11/1972	s+ मंगल 17/04/1975
S++रवि 18/06/1968	S-- चंद्र 12/12/1970	++ मंगल 08/01/1973	++ राहू 12/09/1975
S- चंद्र 18/07/1968	S* मंगल 05/02/1971	+ राहू 12/05/1973	+ गुरु 21/01/1976

Note : Dates specified above are ending dates, S : Sadesati, s : Small Panoti
+ : Friend, - : Enemy, * : Neutral, ++ : Intimate, -- : Bitter Enemy

DCP-6 (HINDI)

विंशोत्तरी प्रत्यन्तर दशा

महादशा - केतु : 21/01/1976 - 20/01/1983

	केतु	**18/06/1976**	*	शुक्र	**18/08/1977**	--	रवि	**24/12/1977**	*	चंद्र	**25/07/1978**	*	मंगल	**21/12/1978**
	केतु	29/01/1976		शुक्र	28/08/1976		रवि	24/08/1977		चंद्र	10/01/1978		मंगल	02/08/1978
*	शुक्र	23/02/1976	--	रवि	18/09/1976	*	चंद्र	04/09/1977	*	मंगल	23/01/1978	*	राहू	25/08/1978
--	रवि	02/03/1976	-	चंद्र	24/10/1976	++	मंगल	11/09/1977	--	राहू	24/02/1978	++	गुरु	14/09/1978
*	चंद्र	14/03/1976	+	मंगल	17/11/1976	*	राहू	01/10/1977	*	गुरु	24/03/1978	*	शनि	07/10/1978
*	मंगल	23/03/1976	++	राहू	20/01/1977	++	गुरु	18/10/1977	--	शनि	27/04/1978	-	बुध	28/10/1978
--	राहू	14/04/1976	*	गुरु	18/03/1977	--	शनि	07/11/1977	--	बुध	27/05/1978	*	केतु	06/11/1978
+	गुरु	04/05/1976	*	शनि	25/05/1977	++	बुध	25/11/1977	*	केतु	09/06/1978	+	शुक्र	01/12/1978
--	शनि	28/05/1976	++	बुध	24/07/1977	--	केतु	02/12/1977	--	शुक्र	14/07/1978	++	रवि	09/12/1978
-	बुध	18/06/1976	*	केतु	18/08/1977	--	शुक्र	24/12/1977	*	रवि	25/07/1978	-	चंद्र	21/12/1978

--	राहू	**08/01/1980**	+	गुरु	**14/12/1980**	--	शनि	**23/01/1982**	-	बुध	**20/01/1983**
	राहू	16/02/1979		गुरु	23/02/1980		शनि	16/02/1981		बुध	15/03/1982
+	गुरु	09/04/1979	+	शनि	17/04/1980	+	बुध	15/04/1981	-	केतु	06/04/1982
++	शनि	08/06/1979	+	बुध	04/06/1980	--	केतु	08/05/1981	++	शुक्र	05/06/1982
+	बुध	02/08/1979	+	केतु	24/06/1980	*	शुक्र	15/07/1981	+	रवि	23/06/1982
--	केतु	24/08/1979	+	शुक्र	20/08/1980	--	रवि	04/08/1981	*	चंद्र	23/07/1982
++	शुक्र	27/10/1979	++	रवि	06/09/1980	-	चंद्र	07/09/1981	--	मंगल	13/08/1982
*	रवि	15/11/1979	-	चंद्र	04/10/1980	+	मंगल	30/09/1981	s+	राहू	07/10/1982
--	चंद्र	17/12/1979	++	मंगल	24/10/1980	++	राहू	30/11/1981	s*	गुरु	24/11/1982
*	मंगल	08/01/1980	+	राहू	14/12/1980	+	गुरु	23/01/1982	s++	शनि	20/01/1983

महादशा - शुक्र : 20/01/1983 - 20/01/2003

	शुक्र	**22/05/1986**	--	रवि	**22/05/1987**	-	चंद्र	**20/01/1989**	+	मंगल	**22/03/1990**	++	राहू	**22/03/1993**
s	शुक्र	11/08/1983		रवि	09/06/1986		चंद्र	12/07/1987		मंगल	14/02/1989		राहू	02/09/1990
s--	रवि	11/10/1983	*	चंद्र	10/07/1986	*	मंगल	16/08/1987	*	राहू	19/04/1989	+	गुरु	26/01/1991
s-	चंद्र	21/01/1984	++	मंगल	31/07/1986	--	राहू	16/11/1987	++	गुरु	14/06/1989	++	शनि	19/07/1991
s+	मंगल	01/04/1984	*	राहू	24/09/1986	*	गुरु	05/02/1988	*	शनि	21/08/1989	+	बुध	21/12/1991
s++	राहू	30/09/1984	++	गुरु	11/11/1986	--	शनि	11/05/1988	-	बुध	20/10/1989	--	केतु	23/02/1992
*	गुरु	12/03/1985	--	शनि	08/01/1987	--	बुध	05/08/1988	*	केतु	14/11/1989	++	शुक्र	24/08/1992
*	शनि	20/09/1985	++	बुध	01/03/1987	*	केतु	10/09/1988	+	शुक्र	24/01/1990	*	रवि	18/10/1992
++	बुध	12/03/1986	--	केतु	22/03/1987	--	शुक्र	20/12/1988	++	रवि	14/02/1990	--	चंद्र	17/01/1993
*	केतु	22/05/1986	--	शुक्र	22/05/1987	*	रवि	20/01/1989	-	चंद्र	22/03/1990	S*	मंगल	22/03/1993

*	गुरु	**21/11/1995**	*	शनि	**20/01/1999**	++	बुध	**20/11/2001**	*	केतु	**20/01/2003**
S	गुरु	30/07/1993	S	शनि	22/05/1996	S	बुध	16/06/1999		केतु	15/12/2001
S+	शनि	31/12/1993	S+	बुध	02/11/1996	S-	केतु	15/08/1999	*	शुक्र	24/02/2002
S+	बुध	18/05/1994	S--	केतु	08/01/1997	S++	शुक्र	04/02/2000	--	रवि	17/03/2002
S+	केतु	14/07/1994	S*	शुक्र	20/07/1997	S+	रवि	27/03/2000	*	चंद्र	22/04/2002
S+	शुक्र	23/12/1994	S--	रवि	16/09/1997	*	चंद्र	21/06/2000	*	मंगल	17/05/2002
S++	रवि	10/02/1995	S-	चंद्र	21/12/1997	--	मंगल	20/08/2000	--	राहू	20/07/2002
S-	चंद्र	02/05/1995	S+	मंगल	27/02/1998	+	राहू	22/01/2001	s+	गुरु	15/09/2002
S++	मंगल	28/06/1995	S++	राहू	19/08/1998	*	गुरु	09/06/2001	s--	शनि	21/11/2002
S+	राहू	21/11/1995	S+	गुरु	20/01/1999	++	शनि	20/11/2001	-	बुध	20/01/2003

Note : Dates specified above are ending dates, S : Sadesati, s : Small Panoti
+ : Friend, - : Enemy, * : Neutral, ++ : Intimate, -- : Bitter Enemy

DCP-6 (HINDI)

विंशोत्तरी प्रत्यन्तर दशा

महादशा - रवि : 20/01 /2003 - 20/01 /2009

	रवि	**10/05/2003**	*	चंद्र	**09/11/2003**	++	मंगल	**15/03/2004**	*	राहू	**07/02/2005**	++	गुरु	**26/11/2005**
	रवि	26/01/2003	s	चंद्र	25/05/2003	s	मंगल	16/11/2003	s	राहू	04/05/2004	s	गुरु	18/03/2005
*	चंद्र	04/02/2003	s*	मंगल	05/06/2003	s*	राहू	05/12/2003	s+	गुरु	17/06/2004	s+	शनि	03/05/2005
++	मंगल	10/02/2003	s--	राहू	02/07/2003	s++	गुरु	22/12/2003	s++	शनि	08/08/2004	+	बुध	14/06/2005
*	राहू	27/02/2003	s*	गुरु	27/07/2003	s*	शनि	11/01/2004	+	बुध	23/09/2004	+	केतु	01/07/2005
++	गुरु	13/03/2003	s--	शनि	24/08/2003	s-	बुध	30/01/2004	--	केतु	12/10/2004	+	शुक्र	18/08/2005
--	शनि	31/03/2003	s--	बुध	19/09/2003	s*	केतु	06/02/2004	++	शुक्र	06/12/2004	++	रवि	02/09/2005
s++	बुध	15/04/2003	s*	केतु	30/09/2003	s+	शुक्र	27/02/2004	*	रवि	23/12/2004	-	चंद्र	26/09/2005
s--	केतु	22/04/2003	s--	शुक्र	30/10/2003	s++	रवि	05/03/2004	s--	चंद्र	19/01/2005	++	मंगल	14/10/2005
s--	शुक्र	10/05/2003	s*	रवि	09/11/2003	s-	चंद्र	15/03/2004	s*	मंगल	07/02/2005	+	राहू	26/11/2005

--	शनि	**08/11/2006**	++	बुध	**15/09/2007**	--	केतु	**21/01/2008**	--	शुक्र	**20/01/2009**
	शनि	20/01/2006		बुध	22/12/2006		केतु	22/09/2007		शुक्र	21/03/2008
+	बुध	10/03/2006	-	केतु	09/01/2007	*	शुक्र	14/10/2007	--	रवि	09/04/2008
--	केतु	31/03/2006	++	शुक्र	02/03/2007	--	रवि	20/10/2007	-	चंद्र	09/05/2008
*	शुक्र	28/05/2006	+	रवि	18/03/2007	*	चंद्र	31/10/2007	+	मंगल	31/05/2008
--	रवि	14/06/2006	*	चंद्र	13/04/2007	*	मंगल	07/11/2007	++	राहू	24/07/2008
-	चंद्र	13/07/2006	--	मंगल	01/05/2007	--	राहू	26/11/2007	*	गुरु	11/09/2008
+	मंगल	02/08/2006	+	राहू	16/06/2007	+	गुरु	13/12/2007	*	शनि	08/11/2008
++	राहू	23/09/2006	*	गुरु	28/07/2007	--	शनि	03/01/2008	++	बुध	30/12/2008
+	गुरु	08/11/2006	++	शनि	15/09/2007	-	बुध	21/01/2008	*	केतु	20/01/2009

महादशा - चंद्र : 20/01 /2009 - 20/01 /2019

	चंद्र	**20/11/2009**	*	मंगल	**21/06/2010**	--	राहू	**21/12/2011**	*	गुरु	**21/04/2013**	--	शनि	**20/11/2014**
	चंद्र	14/02/2009		मंगल	03/12/2009		राहू	11/09/2010	s	गुरु	24/02/2012	s	शनि	22/07/2013
*	मंगल	04/03/2009	*	राहू	04/01/2010	+	गुरु	24/11/2010	s+	शनि	11/05/2012	s+	बुध	12/10/2013
--	राहू	19/04/2009	++	गुरु	01/02/2010	++	शनि	18/02/2011	+	बुध	19/07/2012	s--	केतु	14/11/2013
*	गुरु	29/05/2009	*	शनि	07/03/2010	+	बुध	07/05/2011	s+	केतु	17/08/2012	s*	शुक्र	19/02/2014
--	शनि	16/07/2009	-	बुध	06/04/2010	--	केतु	08/06/2011	s+	शुक्र	06/11/2012	s--	रवि	20/03/2014
--	बुध	29/08/2009	*	केतु	18/04/2010	++	शुक्र	07/09/2011	s++	रवि	30/11/2012	s-	चंद्र	07/05/2014
*	केतु	15/09/2009	+	शुक्र	24/05/2010	*	रवि	05/10/2011	s-	चंद्र	10/01/2013	s+	मंगल	10/06/2014
--	शुक्र	05/11/2009	++	रवि	04/06/2010	s--	चंद्र	19/11/2011	s++	मंगल	07/02/2013	s++	राहू	04/09/2014
*	रवि	20/11/2009	-	चंद्र	21/06/2010	s*	मंगल	21/12/2011	s+	राहू	21/04/2013	+	गुरु	20/11/2014

--	बुध	**21/04/2016**	*	केतु	**20/11/2016**	--	शुक्र	**22/07/2018**	*	रवि	**20/01/2019**
	बुध	02/02/2015		केतु	03/05/2016		शुक्र	01/03/2017		रवि	31/07/2018
-	केतु	04/03/2015	*	शुक्र	08/06/2016	--	रवि	01/04/2017	*	चंद्र	15/08/2018
++	शुक्र	29/05/2015	--	रवि	19/06/2016	-	चंद्र	22/05/2017	++	मंगल	26/08/2018
+	रवि	24/06/2015	*	चंद्र	06/07/2016	+	मंगल	26/06/2017	*	राहू	22/09/2018
*	चंद्र	06/08/2015	*	मंगल	19/07/2016	++	राहू	25/09/2017	++	गुरु	16/10/2018
--	मंगल	05/09/2015	--	राहू	20/08/2016	*	गुरु	16/12/2017	--	शनि	14/11/2018
+	राहू	22/11/2015	+	गुरु	17/09/2016	*	शनि	22/03/2018	++	बुध	10/12/2018
*	गुरु	30/01/2016	--	शनि	21/10/2016	++	बुध	16/06/2018	--	केतु	21/12/2018
++	शनि	21/04/2016	-	बुध	20/11/2016	*	केतु	22/07/2018	--	शुक्र	20/01/2019

Note : Dates specified above are ending dates, S : Sadesati, s : Small Panoti
+ : Friend, - : Enemy, * : Neutral, ++ : Intimate, -- : Bitter Enemy

DCP-6 (HINDI)

विंशोत्तरी प्रत्यन्तर दशा

महादशा - मंगल : 20/01 /2019 - 20/01 /2026

मंगल	**19/06/2019**	* राहू	**06/07/2020**	++ गुरु	**12/06/2021**	* शनि	**22/07/2022**	- बुध	**19/07/2023**
मंगल	29/01/2019	राहू	15/08/2019	गुरु	20/08/2020	शनि	15/08/2021	बुध	11/09/2022
* राहू	20/02/2019	+ गुरु	05/10/2019	+ शनि	13/10/2020	+ बुध	11/10/2021	- केतु	02/10/2022
++ गुरु	12/03/2019	++ शनि	05/12/2019	+ बुध	01/12/2020	-- केतु	04/11/2021	++ शुक्र	02/12/2022
* शनि	05/04/2019	+ बुध	28/01/2020	+ केतु	21/12/2020	* शुक्र	10/01/2022	+ रवि	20/12/2022
- बुध	26/04/2019	-- केतु	20/02/2020	+ शुक्र	15/02/2021	-- रवि	31/01/2022	S* चंद्र	19/01/2023
* केतु	05/05/2019	++ शुक्र	24/04/2020	++ रवि	04/03/2021	- चंद्र	05/03/2022	S-- मंगल	09/02/2023
+ शुक्र	30/05/2019	* रवि	13/05/2020	- चंद्र	02/04/2021	+ मंगल	29/03/2022	S+ राहू	04/04/2023
++ रवि	06/06/2019	-- चंद्र	14/06/2020	++ मंगल	22/04/2021	S++राहू	29/05/2022	S* गुरु	23/05/2023
- चंद्र	19/06/2019	* मंगल	06/07/2020	+ राहू	12/06/2021	+ गुरु	22/07/2022	S++शनि	19/07/2023

* केतु	**15/12/2023**	+ शुक्र	**13/02/2025**	++ रवि	**21/06/2025**	- चंद्र	**20/01/2026**
S केतु	28/07/2023	S शुक्र	24/02/2024	S रवि	20/02/2025	S चंद्र	09/07/2025
S* शुक्र	22/08/2023	S-- रवि	16/03/2024	S* चंद्र	02/03/2025	S* मंगल	21/07/2025
S-- रवि	29/08/2023	S- चंद्र	21/04/2024	S++मंगल	10/03/2025	S-- राहू	22/08/2025
S* चंद्र	10/09/2023	S+ मंगल	16/05/2024	S* राहू	29/03/2025	S* गुरु	20/09/2025
S* मंगल	19/09/2023	S++राहू	19/07/2024	S++गुरु	15/04/2025	S-- शनि	23/10/2025
S-- राहू	11/10/2023	S* गुरु	14/09/2024	S-- शनि	05/05/2025	S-- बुध	23/11/2025
S+ गुरु	31/10/2023	S* शनि	20/11/2024	S++बुध	23/05/2025	S* केतु	05/12/2025
S-- शनि	24/11/2023	S++बुध	19/01/2025	S-- केतु	31/05/2025	S-- शुक्र	09/01/2026
S- बुध	15/12/2023	S* केतु	13/02/2025	S-- शुक्र	21/06/2025	S* रवि	20/01/2026

महादशा - राहू : 20/01 /2026 - 21 /01 /2044

राहू	**02/10/2028**	+ गुरु	**26/02/2031**	++ शनि	**02/01/2034**	+ बुध	**21/07/2036**	-- केतु	**09/08/2037**
S राहू	17/06/2026	S गुरु	27/01/2029	शनि	10/08/2031	s बुध	14/05/2034	केतु	13/08/2036
S+ गुरु	27/10/2026	S+ शनि	15/06/2029	+ बुध	04/01/2032	s- केतु	07/07/2034	* शुक्र	16/10/2036
S++शनि	01/04/2027	S+ बुध	17/10/2029	-- केतु	05/03/2032	++ शुक्र	09/12/2034	-- रवि	04/11/2036
S+ बुध	18/08/2027	S+ केतु	07/12/2029	s* शुक्र	25/08/2032	+ रवि	25/01/2035	* चंद्र	06/12/2036
S-- केतु	15/10/2027	+ शुक्र	02/05/2030	s-- रवि	16/10/2032	* चंद्र	13/04/2035	* मंगल	28/12/2036
S++शुक्र	27/03/2028	++ रवि	15/06/2030	s- चंद्र	11/01/2033	-- मंगल	06/06/2035	-- राहू	24/02/2037
S* रवि	16/05/2028	- चंद्र	27/08/2030	s+ मंगल	13/03/2033	+ राहू	24/10/2035	+ गुरु	16/04/2037
S-- चंद्र	06/08/2028	++ मंगल	17/10/2030	s++राहू	16/08/2033	* गुरु	25/02/2036	-- शनि	15/06/2037
S* मंगल	02/10/2028	+ राहू	26/02/2031	s+ गुरु	02/01/2034	++ शनि	21/07/2036	- बुध	09/08/2037

++ शुक्र	**09/08/2040**	* रवि	**03/07/2041**	-- चंद्र	**02/01/2043**	* मंगल	**21/01/2044**
शुक्र	07/02/2038	रवि	25/08/2040	चंद्र	18/08/2041	s मंगल	24/01/2043
-- रवि	03/04/2038	* चंद्र	21/09/2040	* मंगल	19/09/2041	s* राहू	23/03/2043
- चंद्र	03/07/2038	++ मंगल	11/10/2040	s-- राहू	10/12/2041	s++गुरु	13/05/2043
+ मंगल	05/09/2038	* राहू	29/11/2040	s* गुरु	21/02/2042	s* शनि	13/07/2043
++ राहू	17/02/2039	++ गुरु	12/01/2041	s-- शनि	19/05/2042	s- बुध	05/09/2043
* गुरु	13/07/2039	-- शनि	05/03/2041	s-- बुध	04/08/2042	s* केतु	28/09/2043
* शनि	02/01/2040	++ बुध	20/04/2041	s* केतु	05/09/2042	s+ शुक्र	30/11/2043
++ बुध	06/06/2040	-- केतु	09/05/2041	s-- शुक्र	06/12/2042	++ रवि	20/12/2043
* केतु	09/08/2040	-- शुक्र	03/07/2041	s* रवि	02/01/2043	- चंद्र	21/01/2044

Note : Dates specified above are ending dates, S : Sadesati, s : Small Panoti
+ : Friend, - : Enemy, * : Neutral, ++ : Intimate, -- : Bitter Enemy

DCP-6 (HINDI)

विंशोत्तरी प्रत्यन्तर दशा

महादशा - गुरु : 21 /01 /2044 - 21 /01 /2060

	गुरु	**10/03/2046**	**+**	**शनि**	**20/09/2048**	**+**	**बुध**	**27/12/2050**	**+**	**केतु**	**03/12/2051**	**+**	**शुक्र**	**03/08/2054**
	गुरु	04/05/2044		शनि	03/08/2046		बुध	15/01/2049		केतु	16/01/2051	S	शुक्र	13/05/2052
+	शनि	04/09/2044	+	बुध	12/12/2046	-	केतु	05/03/2049	*	शुक्र	14/03/2051	S--	रवि	01/07/2052
+	बुध	23/12/2044	--	केतु	04/02/2047	++	शुक्र	21/07/2049	--	रवि	31/03/2051	S-	चंद्र	20/09/2052
+	केतु	07/02/2045	*	शुक्र	09/07/2047	+	रवि	31/08/2049	*	चंद्र	28/04/2051	S+	मंगल	16/11/2052
+	शुक्र	17/06/2045	--	रवि	24/08/2047	*	चंद्र	08/11/2049	*	मंगल	18/05/2051	S++	राहू	11/04/2053
++	रवि	26/07/2045	-	चंद्र	09/11/2047	--	मंगल	26/12/2049	--	राहू	08/07/2051	S*	गुरु	19/08/2053
-	चंद्र	28/09/2045	+	मंगल	02/01/2048	+	राहू	30/04/2050	+	गुरु	23/08/2051	S*	शनि	20/01/2054
++	मंगल	13/11/2045	++	राहू	20/05/2048	*	गुरु	18/08/2050	--	शनि	16/10/2051	S++	बुध	07/06/2054
+	राहू	10/03/2046	+	गुरु	20/09/2048	++	शनि	27/12/2050	-	बुध	03/12/2051	S*	केतु	03/08/2054

++	**रवि**	**22/05/2055**	**-**	**चंद्र**	**20/09/2056**	**++**	**मंगल**	**27/08/2057**	**+**	**राहू**	**21/01/2060**
S	रवि	18/08/2054	S	चंद्र	02/07/2055	S	मंगल	10/10/2056	S	राहू	06/01/2058
S*	चंद्र	11/09/2054	S*	मंगल	30/07/2055	S*	राहू	30/11/2056	S+	गुरु	02/05/2058
S++	मंगल	28/09/2054	S--	राहू	11/10/2055	S++	गुरु	15/01/2057	S++	शनि	18/09/2058
S*	राहू	11/11/2054	S*	गुरु	15/12/2055	S*	शनि	10/03/2057	S+	बुध	20/01/2059
S++	गुरु	20/12/2054	S--	शनि	01/03/2056	S-	बुध	27/04/2057	S--	केतु	13/03/2059
S--	शनि	04/02/2055	S--	बुध	09/05/2056	S*	केतु	17/05/2057	++	शुक्र	06/08/2059
S++	बुध	17/03/2055	S*	केतु	07/06/2056	S+	शुक्र	13/07/2057	*	रवि	18/09/2059
S--	केतु	03/04/2055	S--	शुक्र	27/08/2056	S++	रवि	30/07/2057	--	चंद्र	30/11/2059
S--	शुक्र	22/05/2055	S*	रवि	20/09/2056	S-	चंद्र	27/08/2057	*	मंगल	21/01/2060

Note : Dates specified above are ending dates, S : Sadesati, s : Small Panoti
+ : Friend, - : Enemy, * : Neutral, ++ : Intimate, -- : Bitter Enemy

विंशोत्तरी महादशा (भोग्य दशा : शनि - 3 साल, 2 महीना, 23 दिन)

	शनि	28/10/1955
	(19)	20/01/1959
-	-	-
-	-	-
-	-	-
-	-	-
-	-	-
-	-	-
-	-	-
++	राहू	09/07/1956
+	गुरु	20/01/1959

	बुध	20/01/1959
	(17)	21/01/1976
	बुध	18/06/1961
-	केतु	15/06/1962
S++	शुक्र	15/04/1965
S+	रवि	20/02/1966
S*	चंद्र	22/07/1967
S--	मंगल	18/07/1968
S+	राहू	05/02/1971
*	गुरु	12/05/1973
++	शनि	21/01/1976

	केतु	21/01/1976
	(7)	20/01/1983
	केतु	18/06/1976
*	शुक्र	18/08/1977
--	रवि	24/12/1977
*	चंद्र	25/07/1978
*	मंगल	21/12/1978
--	राहू	08/01/1980
+	गुरु	14/12/1980
--	शनि	23/01/1982
s-	बुध	20/01/1983

	शुक्र	20/01/1983
	(20)	20/01/2003
	शुक्र	22/05/1986
--	रवि	22/05/1987
-	चंद्र	20/01/1989
+	मंगल	22/03/1990
S++	राहू	22/03/1993
S*	गुरु	21/11/1995
S*	शनि	20/01/1999
++	बुध	20/11/2001
*	केतु	20/01/2003

	रवि	20/01/2003
	(6)	20/01/2009
s	रवि	10/05/2003
s*	चंद्र	09/11/2003
s++	मंगल	15/03/2004
s*	राहू	07/02/2005
++	गुरु	26/11/2005
--	शनि	08/11/2006
++	बुध	15/09/2007
--	केतु	21/01/2008
--	शुक्र	20/01/2009

	चंद्र	20/01/2009
	(10)	20/01/2019
	चंद्र	20/11/2009
*	मंगल	21/06/2010
s--	राहू	21/12/2011
s*	गुरु	21/04/2013
--	शनि	20/11/2014
--	बुध	21/04/2016
*	केतु	20/11/2016
--	शुक्र	22/07/2018
*	रवि	20/01/2019

	मंगल	20/01/2019
	(7)	20/01/2026
	मंगल	19/06/2019
*	राहू	06/07/2020
++	गुरु	12/06/2021
*	शनि	22/07/2022
S-	बुध	19/07/2023
S*	केतु	15/12/2023
S+	शुक्र	13/02/2025
S++	रवि	21/06/2025
S-	चंद्र	20/01/2026

	राहू	20/01/2026
	(18)	21/01/2044
S	राहू	02/10/2028
+	गुरु	26/02/2031
s++	शनि	02/01/2034
+	बुध	21/07/2036
--	केतु	09/08/2037
++	शुक्र	09/08/2040
*	रवि	03/07/2041
s--	चंद्र	02/01/2043
*	मंगल	21/01/2044

	गुरु	21/01/2044
	(16)	21/01/2060
	गुरु	10/03/2046
+	शनि	20/09/2048
+	बुध	27/12/2050
+	केतु	03/12/2051
S+	शुक्र	03/08/2054
S++	रवि	22/05/2055
S-	चंद्र	20/09/2056
S++	मंगल	27/08/2057
+	राहू	21/01/2060

मंगलिक

लग्न कुंडली

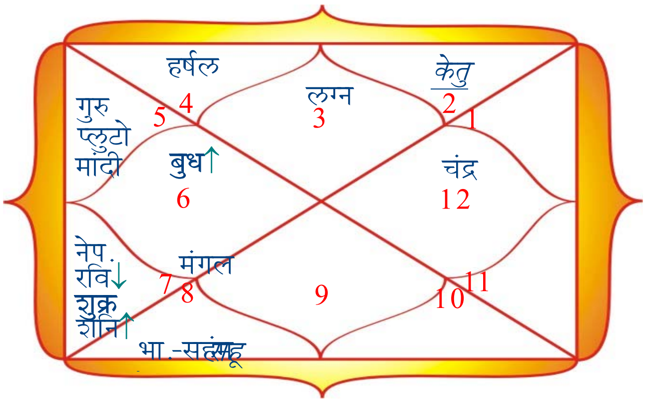

नवमांश कुंडली

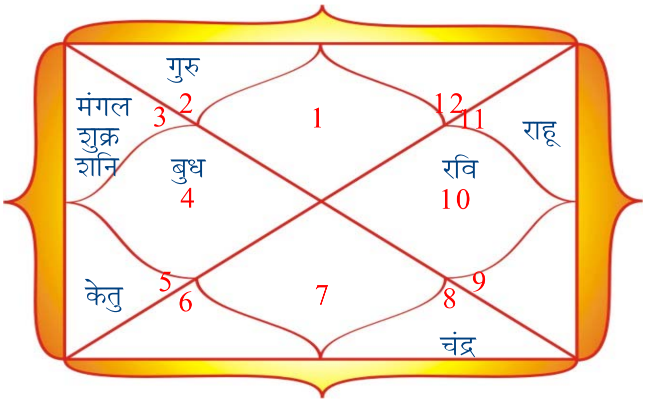

अष्टोत्तरी महा दशा (भोग्य दशा : राहू - 9 साल, 6 महीना, 4 दिन)

	राहू	28/10/1955
	(12)	02/05/1965
	-	
++	शुक्र	31/12/1956
*	रवि	01/09/1957
--	चंद्र	03/05/1959
*	मंगल	22/03/1960
+	बुध	10/02/1962
++	शनि	23/03/1963
S+	गुरु	02/05/1965

	शुक्र	02/05/1965
	(21)	02/05/1986
S	शुक्र	01/06/1969
S--	रवि	02/08/1970
s-	चंद्र	02/07/1973
s+	मंगल	21/01/1975
++	बुध	12/05/1978
*	शनि	22/04/1980
s*	गुरु	01/01/1984
++	राहू	02/05/1986

	रवि	02/05/1986
	(6)	02/05/1992
	रवि	01/09/1986
*	चंद्र	02/07/1987
++	मंगल	12/12/1987
++	बुध	21/11/1988
--	शनि	12/06/1989
++	गुरु	02/07/1990
*	राहू	03/03/1991
--	शुक्र	02/05/1992

	चंद्र	02/05/1992
	(15)	03/05/2007
S	चंद्र	02/06/1994
S*	मंगल	13/07/1995
S--	बुध	21/11/1997
S--	शनि	12/04/1999
*	गुरु	01/12/2001
s--	राहू	02/08/2003
--	शुक्र	02/07/2006
*	रवि	03/05/2007

	मंगल	03/05/2007
	(8)	03/05/2015
	मंगल	05/12/2007
-	बुध	09/03/2009
*	शनि	04/12/2009
++	गुरु	03/05/2011
s*	राहू	22/03/2012
s+	शुक्र	11/10/2013
s++	रवि	23/03/2014
-	चंद्र	03/05/2015

	बुध	03/05/2015
	(17)	02/05/2032
	बुध	04/01/2018
++	शनि	02/08/2019
*	गुरु	29/07/2022
S+	राहू	18/06/2024
S++	शुक्र	08/10/2027
S+	रवि	17/09/2028
*	चंद्र	28/01/2031
--	मंगल	02/05/2032

	शनि	02/05/2032
	(10)	02/05/2042
s	शनि	05/04/2033
+	गुरु	08/01/2035
++	राहू	17/02/2036
*	शुक्र	28/01/2038
--	रवि	19/08/2038
-	चंद्र	08/01/2040
+	मंगल	04/10/2040
s+	बुध	02/05/2042

	गुरु	02/05/2042
	(19)	02/05/2061
	गुरु	04/09/2045
+	राहू	15/10/2047
+	शुक्र	26/06/2051
S++	रवि	15/07/2052
S-	चंद्र	06/03/2055
S++	मंगल	01/08/2056
+	बुध	29/07/2059
+	शनि	02/05/2061

DCP-6 (HINDI)

ताराचक्र

-	जन्म	सम्पत	विपत	क्षेम	प्रत्यरी	साधक	वध	मैत्री	अधि-मैत्री
साल	'55 '82 '09	'56 '83 '10	'57 '84 '11	'58 '85 '12	'59 '86 '13	'60 '87 '14	'61 '88 '15	'62 '89 '16	'63 '90 '17
उम्र	1 ,28 ,55	2 ,29 ,56	3 ,30 ,57	4 ,31 ,58	5 ,32 ,59	6 ,33 ,60	7 ,34 ,61	8 ,35 ,62	9 ,36 ,63
नक्षत्र	उ.भाद्र	रेवती	अश्विनी	भरणी	कृत्तिका	रोहिणी	मृग	आर्द्रा	पुनर्वसु
ग्रह	चंद्र						केतु		लग्न
चंद्र बिंदु									
सूर्य बिंदु			शनिपात				केतु		

-	जन्म	सम्पत	विपत	क्षेम	प्रत्यरी	साधक	वध	मैत्री	अधि-मैत्री
साल	'64 '91 '18	'65 '92 '19	'66 '93 '20	'67 '94 '21	'68 '95 '22	'69 '96 '23	'70 '97 '24	'71 '98 '25	'72 '99 '26
उम्र	10 ,37 ,64	11 ,38 ,65	12 ,39 ,66	13 ,40 ,67	14 ,41 ,68	15 ,42 ,69	16 ,43 ,70	17 ,44 ,71	18 ,45 ,72
नक्षत्र	पुष्य	आश्लेशा	मघा	पूर्वा-फा.	उत्तरा-फा.	हस्त	चित्रा	स्वाती	विशाखा
ग्रह	हर्षल		गुरु प्लुटो मांदी			मंगल बुध	नेप.	रवि	शुक्र शनि
चंद्र बिंदु	कर्म						संघतिक		उदय
सूर्य बिंदु	उल्का	कंप	वज्र	निर्धात					

-	जन्म	सम्पत	विपत	क्षेम	प्रत्यरी	साधक	वध	मैत्री	अधि-मैत्री
साल	'73 '00 '27	'74 '01 '28	'75 '02 '29	'76 '03 '30	'77 '04 '31	'78 '05 '32	'79 '06 '33	'80 '07 '34	'81 '08 '35
उम्र	19 ,46 ,73	20 ,47 ,74	21 ,48 ,75	22 ,49 ,76	23 ,50 ,77	24 ,51 ,78	25 ,52 ,79	26 ,53 ,80	27 ,54 ,81
नक्षत्र	अनुराधा	ज्येष्ठा	मूल	पू.षाढा	उ.षाढा	श्रवण	धनिष्ठा	शततारका	पू.भाद्र
ग्रह		राहू भा.-सहंम							ईंउग
चंद्र बिंदु	आदान				विनाश		मानस	राज	अभिषेक
सूर्य बिंदु			विधुनमुख			शूल			

DCP-6 (HINDI)

सहम

सहम	राशी	अंश	सहम-स्वामी
पुण्य	मकर	18:53:24	शनि
गुरू	वृश्चिक	24:11:08	मंगल
विद्या	वृश्चिक	24:11:08	मंगल
यश	मकर	05:53:34	शनि
मित्र	मकर	21:38:18	शनि
महातम्य	कुंभ	19:29:39	शनि
आशा	मिथुन	20:07:50	बुध
समर्थ	मिथुन	28:00:23	बुध
भारती	मीन	27:43:53	गुरु
गौरव	मकर	07:10:57	शनि
पित्री	मिथुन	04:56:56	बुध
राजा	मिथुन	04:56:56	बुध
मात्री	कुंभ	04:04:18	शनि
पुत्र	वृश्चिक	11:40:21	मंगल
जीव	मीन	27:43:53	गुरु
रोग	वृश्चिक	07:35:48	मंगल
कर्म	मिथुन	28:00:23	बुध
मनमथा	मकर	00:27:12	शनि
काली	सिंह	03:50:58	रवि
क्षमा	सिंह	03:50:58	रवि
शास्त्र	धनु	17:07:17	गुरु
बंधु	मकर	00:27:12	शनि
मृत्यु	सिंह	22:38:33	रवि
देशांतारा	कन्या	21:53:51	बुध
धन	तुला	15:50:22	शुक्र
परादरा	कर्क	06:43:10	चंद्र
अन्य-कर्म	कुंभ	05:28:44	शनि
वानिका	धनु	12:37:20	गुरु
कार्य-सिद्धी	मिथुन	10:52:30	बुध
विवाह	मिथुन	20:07:50	बुध
प्रसाव	सिंह	10:19:06	रवि
सनतापा	कर्क	28:15:47	चंद्र
श्रद्धा	सिंह	01:37:30	रवि
प्रीत	मेष	26:50:00	मंगल
जदया	वृश्चिक	04:48:35	मंगल
व्यापार	मिथुन	15:04:08	बुध
पानिया-पाता	वृश्चिक	07:35:48	मंगल
शत्रु	सिंह	03:01:55	रवि
जल-पथ	मेष	00:00:00	मंगल
बंधन	मेष	00:59:19	मंगल
लाभ	कुंभ	05:41:43	शनि

शुभाशुभ ज्ञान

शुभाशुभ ज्ञान आपको अपने मित्र और शत्रु का बोध कराता है। मूलांक, भाग्यांक और मित्रांको से मित्रता और साझेदारी करने से लाभ तथा सहयोग की प्राप्ति होती है। साथ ही शुभ दिन एवं वर्ष उन्नति कारक तथा शुभग्रहों की दशाएं लाभदायक होती है।.

शुभरत्न धातु एवं रंग धारण करने से शारीरिक एवं मानसिक स्वस्थता बनी रहती है तथा भाग्य रत्न भाग्य धारण करने से सौभाग्य में वृद्धि होता है। शुभ समय में कोई भी कार्य प्रारंभ करने से उसमें इच्छित सफलता मिलती है। साथ ही इष्टदेव का ध्यान एवं जप से मानसिक शांति तथा सफलता प्राप्त होती है। शुभ पदार्थ, अन्न, द्रव्य आदि का दान या व्यापार शुभदिशा में करने से अधिक लाभ प्राप्त होता है। इस प्रकार शुभाशुभ ज्ञान का दैनिक जीवन में प्रयोग शुभ फलदायक सिद्धि हो सकता है।

मूलांक	: 1
भाग्यांक	: 4
मित्रांक	: 2 , 7 , 9
शुभ वर्ष	: 19 , 28 , 37 , 46 , 55
शुभ दिन	: बुधवार, शुक्रवार, शनिवार
शुभ ग्रह	: बुध, शुक्र, शनि
अशुभ ग्रह	: गुरू, शनि
मित्र राशि	: वृश्चिक, धनु
मित्र लग्न	: कन्या, धनु, कुंभ, मेष
शुभ रत्न	: पन्ना
शुभ उपरत्न	: पन्नी, संगपन्ना, मरगज
भाग्य रत्न	: निलम
अनुकूल देवता	: जगदंबा
शुभ धातु	: कांसा
शुभ रंग	: हरित
दिशा	: उत्तर
समय	: सूर्योदय के बाद
पदार्थ	: शक्कर, हाथीदांत, कपूर, फल
अन्न	: मूंगा (साबुत)
द्रव्य	: घी

नव ग्रह रत्न धारण विधि

रत्न का पूर्ण शुभ फल पाने के लिऐ इसे शुक्ल पक्ष में निर्दिष्ट वार एवं समय में ही धारण करने में रत्न और भी प्रभावशाली हो जाता है। इसे निम्नलिखित तालिका में दिए गए भार या उससे अधिक भार जो कि सवाया हो एवं पौना ना हो जैसे 4-1/4 रत्ती आदि, उसे निर्दिष्ट धातु में इस प्रकार जड़वाएँ कि रत्न नीचे से अँगुली को स्पर्श करे।

रत्न धारण करते समय अपने इष्ट देव का श्रद्धा पूर्वक स्मरण करना चाहिए । तत्पश्चात अंगूठी को कच्चे दूध एवं गंगाजल मे धोकर शुद्ध करना चाहिए और धूप दीप जलाकर सम्बन्धित ग्रह के मंत्र का कम से कम एक माला जाप करना चाहिए। फिर अंगूठी को धूप देकर निर्दिष्ट अंगुली में दाएं हाथ में धारण करना चाहिए। अंगूठी धारण के पश्चात यथा शक्ति संबंधित ग्रह के पदार्थो का दान करना चाहिए। यदि आप अन्य कोई रत्न पहने हुए है तो यह ध्यान रखें कि पर्सपर विरोधी रत्न एक साथ न पहनें। यह आप निम्नलिखित तालिका से देख सकते है। उपरोक्त विधि से रत्न के शुभ फल प्रचर मात्रा में शीध्र मिल जाते है।

रत्न	ग्रह	भार	धातु	अंगुली	वार	समय	नक्षत्र
माणिक्य	रवि	3 रत्ती	सोने	अनामिका	रविवार	प्रातः	कृतिका, उ. फा., उ. षा.
मोती	चंद्र	3 रत्ती	चांदी	कनिष्ठिका	सोमवार	प्रातः	रोहिणी, हस्त, श्रवण
मूंगा	मंगल	6 रत्ती	चांदी	अनामिका	मंगलवार	प्रातः	मृग, चित्रा, धनिष्ठा
पन्ना	बुध	4 रत्ती	सोने	कनिष्ठिका	बुधवार	प्रातः	अश्लेषा, ज्येष्ठा, रेवती
पुखराज	गुरु	4 रत्ती	सोने	तर्जनी	गुरुवार	प्रातः	पुनर्वसु, विशाखा, पू. भाद्र.
हीरा	शुक्र	1/4 रत्ती	प्लेटिनम	कनिष्ठिका	शुक्रवार	प्रातः	भरणी, पू. भा., पू. षा.,
नीलम	शनि	4 रत्ती	पंचधातु	मध्यमा	शनिवार	संध्या	पुष्य, अनुराधा, उ. भाद्र.
गोमेद	राहू	5 रत्ती	अष्टधातु	मध्यमा	शनिवार	सूर्यास्त	आर्द्रा, स्वाती, शततारका
लहसुनिया	केतु	6 रत्ती	चांदी	अनामिका	गुरुवार	सूर्यास्त	अश्विनी, मघा, मूळ

रत्न	मंत्र	निष्ध रत्न	दान पदार्थ
माणिक्य	ॐ घृणिः सूर्याय नमः	हीरा, नीलम गोमेद	गँहु, गुल, चंदन, लाल वस्त्र
मोती	ॐ सों सोमाय नमः	गोमेद	चावल, चीनी, चांदी, श्वेत वस्त्र
मूंगा	ॐ अं अंगारकाय नमः	हारी, गोमेज, नीलम	गँहु, गुल, तांबा, लाल वस्त्र
पन्ना	ॐ बुं बुधाय नमः	---	मूंगा, कस्तूरी, कांसा, हरित वस्त्र
पुखराज	ॐ बृहस्पतये नमः	हीरा, नीलम	हरभरेका दाल, हलदी, पीला वस्त्र
हीरा	ॐ शुं शुक्राय नमः	माणिक्य, मूंगा, पुखराज	चावल, चांदी, घी, श्वेत वस्त्र
नीलम	ॐ शं शनैश्वराय नमः	माणिक्य, मूंगा, पुखराज	उडद, काले तिल, तेल, काळा वस्त्र
गोमेद	ॐ रां राहवे नमः	माणिक्य, मोती, मूंगा	तिल, तेल कम्बल, भूरा वस्त्र
लहसुनिया	ॐ कें केतवे नमः	---	सप्तधान्य, नारियल, धूम्र वस्त्र

साडेसाती के उपाय

शनि की साढेसाती के अशुभ प्रभावो को कम करनें के लिए दान, पूजन व्रत, मंत्र आदि उपाय किए जा सकतें हैं।

इसके लिए शनिवार को काला कम्बल, उड़द की दाल, काले-तिल, चर्म-पादुका, काला कपडा, मोटा अनाज, तिल तथा लोह का दांन करना चाहिए। शनिदेव की पूजा एवं शनिवार को व्रत रखना चाहिए। उपवास के दिन उड़द के दाल की बनी वस्तु, चने, बेसन, काले तिल, काला नमक तथा फलों का ही सेवन करना चाहिए। साथ ही स्वंय या किसी योग्य पंडित के द्वारा शनि के निम्न मंत्र के 23000 जप सम्पन्न करवाने चाहिए।

ॐ प्राँ प्रीं प्रों सः शनैश्चराय नमः

शनि की साढेसाती में शारीरिक, मानसिक पारिवारिक शांति एवं समृद्धि, आर्थिक सुदृढ़ता तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए निम्नलिखित महामृत्यंजय मंत्र के 125000 जप स्वयं किसी योग्य पंडित के द्वारा करवाने चाहिए।

ॐ त्र्यम्बकम् यजामहे सुगन्धिं पुष्ठिवर्धनम्
उर्वारूकमिव बन्धनात् मृत्योर्मुक्षीय मड़मृतात्

वैकल्पिक रूप से निम्नलिखित मंत्र के प्रतिदिन 108 जप किये जा सकते है।

ॐ हों जूं सः ॐ भूर्भुवः स्वः ॐ

शनि की साढेसाती के शुत्व को बढ़ाने के लिए 5-1/4 रत्ती का नीलम सोने या पंच धातु (सोना, चांदी, तांबा, लोहा तथा जस्ता) में जड़वाकर शनिवार के दिन धारण करना चाहिए। रत्न अंगुली का निम्नभाग अवश्य स्पर्श करें। विकल्प में घोड़े की नाल या नाव की कील से निर्मित लोह की अंगुठी भी धारण कर सकते हैं। अंगुठी एवं हाथ की मध्यमा अंगुली मे धारण करे।

अंगुठी शुक्ल पक्ष मे शनिवार की शाम कतो सूर्यास्त से आधा घंटा पूर्व धारण करें। पुष्य, अनुराधा या उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र अति शुभ है। उस दिन शनिवार का उपवास भी करना चाहिए। अंगुठी धारण करने से शुद्ध दूध एवं गंगाजल में धोना चाहिए तथा धूप आदि जलाकर शनि का पूजन करना चाहिए एवं निम्न मंत्र की एक माला या 108 बार जप करना चाहिए।

ॐ शं शनैश्चराय नमः

अंगूठी धारण करने के पश्चात शनि की वस्तुओं का दान देना चाहिए। इससे शनि के अशुभ प्रभाव कमी आएगी तथा आपकी सुख शांति एवं समृद्धि में वृद्धि होगी।

शारीरिक गठन, व्यक्तित्व, आकृति एवं प्रकृति

1

वायु तत्व

आप मिथुन लग्न में उत्पन्न हुए है अतः स्वभाव से आप विनम्र उदार तथा हास्य प्रवृत्ति के व्यक्ति होंगे। साथ ही चेहरे से ही बुद्धिमानी की झलक परिलक्षित होंगी। दूसरे के मन की बात जानने में आप चतुर रहेंगे अतः सभी लोग आपसे प्रभावित रहेंगे एवं यथा योग्य सम्मान प्रदान करेंगे। इसके साथ ही हंसी मजाक करना भी आपके व्यक्तित्व की विशेषता रहेंगी। आप में चंचलता का भाव भी विद्यमान रहेगा तथा किसी नए विचार के आते ही आपकी आँखों में विशेष प्रकार की चमक उत्पन्न होंगी।

आप में स्वाभिमान का भाव भी विद्यमान रहेंगा तथा बंधु एवं मित्र वर्ग के प्रति आपके मन में सहयोग की भावना रहेगी तथा समय समय पर उनको अपना पूर्ण सहयोग तथा सुख प्रदान करने के लिए तत्पर रहेंगे। साथ ही सहनशीलता का भाव भी आप में विद्यमान रहेंगा। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग अथवा राजनैतिक नेताओं से भी आपके संबंध रहेंगे जिनसे आपको इच्छित लाभ एवं सहयोग मिलता रहेगा तथा शीघ्र प्रत्युत्तर देने में भी दक्षता का परिचय देंगे। भौतिक सुख संसाधनों को अर्जित करने में आप समर्थ रहेंगे तथा सुख पूर्वक उनका उपभोग करेंगे। धनऐश्वर्य एवं वैभव से भी आप सुसम्पन्न रहेंगे परंतु शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य को अत्यंत ही सोच विचार करके धीरे धीरे सम्पन्न करेंगे।

कला या संगीत के प्रति भी आपके मन में रूचि रहेंगी तथा प्रयत्न पूर्वक इसका ज्ञान अर्जित करने में तत्पर रहेंगे। साथ ही आप जो भी कार्य प्रारंभ करेंगे उसे सच्चाई एवं ईमानदारी से पूर्ण करेंगे। अपने मन के आंतरिक भाव को आप सर्वदा गुप्त रखेंगे तथा नए सिद्धांतों का भी प्रतिपादन करेंगे। आप एक विदुषी व्यक्ति भी होंगे तथा शास्त्रो के अध्ययन में भी आपकी रूचि रहेंगी। व्यापार लेखा या कानून संबंधी कार्यो में दक्षता प्राप्त करेंगे। इससे आप जीवन में सफलता के मार्ग पर अग्रेसर हो सकते है। मित्रों के आप प्रिय रहेंगे तथा उनके कल्याण के लिए सर्वदा यत्नशील रहेंगे। आप समयानुसार सिद्धांत परिवर्तन में विश्वास करेंगे तथा किसी एक सिद्धांत पर अटल रहना आप बुद्धिमानी नहीं समझेंगे। अतः आधुनिक राजनीति के क्षेत्र में आपको वांछित सफलता मिल सकती है साथ ही प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से आप सरकार के कामों में अपना योगदान दे सकते है।

धन, परिवार, आंख एवं वाणी

2

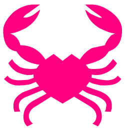

जल तत्व

आप की जन्म कुण्डली में द्वितीय भाव में कर्क राशि स्थित है जिसका स्वामी चंद्रमा है। इसके प्रभाव से आप एक भावुक प्रवृत्ति के व्यक्ति होंगे तथा अधिक वार्तालाप भी करेंगे। समाज में आप एक संम्माननीय व्यक्ति होंगे तथा सभी लोगों से आपको यथोचित मान संम्मान मिलेगा। आपकी वाणी भी स्पष्ट एवं मधुर रहेगी। जिससे सम्मुख व्यक्ति आपसे प्रभावित रहेंगा। साथ ही अपने विचारों को बिना किसी असुविधा के अन्य लोंगो के समक्ष प्रस्तुत करेंगे जिससे सभी लोग आपसे प्रभावित रहेंगे।

पारिवारिक सुख शांति तथा समृद्धि आपकी उत्तम रहेंगी तथा परिवार कि शांति तथा खुशहाली के लिए आप नित्य प्रयत्नशील रहेंगे। साथ ही संतति से भी आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग की समय समय पर प्राप्ति होंगी। आप सामान्यतया सुंदर तथा स्वादिष्ट भोजन करने में रूचिशील रहेंगे लेकिन मिष्ठान्न आपका विशेष प्रिय रहेंगा परंतु इसके अधिक उपगोय से आपको कोई शारीरिक परेशानी भी हो सकती है। पुत्रों का आप के प्रति विशेष स्नेह रहेगा तथा वे आपकी सेवा तथा सहयोग में सदैव तत्पर रहेंगे। अतः आप सुख पूर्वक अपना जीवन यापन करेंगे। परिवार में समय समय पर धार्मिक या मांगलिक उत्सवों का भी आयोजन करते रहेंगे। आप अपने विचारों के लिए हमेशा ठोस तर्को को प्रस्तुत करेंगे जिससे लोग आपसे प्रभावित तथा सहमत रहेंगे।

पराक्रम, सहोदर, प्रकाशन, लघुयात्राएं

3

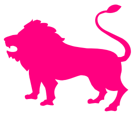

अग्नि तत्व

आपके जन्म समय में तृतीय भाव में सिंह राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी सूर्य है। अतः इसके प्रभाव से आप एक आदर्श, विशालहृदय एवं साहसी व्यक्ति होंगे। आपका अपने संबधियों, मित्रों एवं भाई बहनों के प्रति पूर्ण विश्वास रहेगा तथा उनको अपनी ओर से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर रहेंगे तथा उनकी सेवा करना अपना कर्तव्य समझेंगे। इस राशि के प्रभाव से आप प्रशासनिक या कोई उच्चाधिकार प्राप्त पद अर्जित करने में समर्थ हो सकते है। इसके साथ ही भाई बहनो से आज्ञा पालन तथा कर्तव्य परायणता के भाव की सर्वदा अपेक्षा करेंगे यदि वे ऐसा नहीं करते तो आप अत्यंत ही क्रोध का प्रदर्शन भी करेंगे। पारिवारिक शांति एवं समृद्धि के लिए उनकी गलतियों को भूलने की सीमा तक क्षमा कर देंगे।

आप एक बुद्धिमान व्यक्ति होंगे तथा आपकी स्मरण शक्ति अत्यंत ही तीक्ष्ण रहेगी तथा किसी को भी एक बार देख या उसके बारे में सुनकर उसे काफी समय तक याद रखेंगे। उच्च शिक्षा, दर्शन शास्त्र या लेखन संबंधी कार्यों में भी आप रूचिशील रहेंगे तथा यत्नपूर्वक इनका अध्ययन करने में तत्पर रहेंगे। प्रकाशन के क्षेत्र में भी आपकी रूचि रहेंगी इसके अतिरिक्त एक योग्य सूचना अधिकारी या संवाददाता के रूप में भी सफल हो सकती है। आधुनिक संचार साधनों यथा टेलीफोन, दूरदर्शन या वाहन आदि से युक्त सहेंगे एवं आनंद पूर्वक इनका उपभोग करेंगे। आप नीती संबंधी ज्ञान भी रखेंगे तथा समाचारपत्र पत्राचार या लेखन से भी आपको लाभ होंगा संगीत के प्रति भी आपकी रूचि रहेंगी तथा अवसरानुकूल इनसे अपना मनोरंजन करेंगे। आपकी दूर समीप की यात्राएं भी समय समय पर होती रहेंगी तथा इससे आपको ख्याति तथा धनार्जन भी होगा।

जिस जातक के जन्म समय में गुरु तीसरे स्थान में होता है, उसे सगे भाईयों तथा मित्रों का सुख मिलता है, परंतु यह उनका उपकार नहीं मानता। उनके प्रति यह विपरीत भाव रखता है। यह विश्वसनीय होता है। राजा से धन पाकर भी सुखोपभोग नहीं कर पाता। यह कृपण, अनुदार तथा लोभी होता है। यह धनवान होकर भी धनहीन जैसा होता है। यह जातक लोभी होता है। यह चतुर होता है। संकल्प करके जिस काम में लगता है, वह पूरा होता है। यह जातक गुरु की विपरीत स्थिति होने से नुकसान भी उठाता है।

माता, वाहन, भौतिक ऐश्वर्य, जायदाद एवं शिक्षा

4

पृथ्वी तत्व

आपके जन्म समय में चतुर्थ भाव में कन्या राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बुध है। अतः इसके प्रभाव से आपकी माता जी एक बुद्धिमत्ती महिला होंगी तथा परस्पर सांमजस्य रखने में अत्यंत ही दक्ष रहेगी। उनकी आपसी समझबूझ की शक्ति भी प्रबल रहेगी तथा अपने कर्तव्यों को पूर्ण रूप से पालन करेंगी। परिवार की ओर से वे चिंतित रहेंगी तथा इनकी शांति एवं खुशहाली के लिए सर्वदा प्रयत्नशील रहेंगी परंतु जीवन साथी से यदा कदा कई मत भेद भी हो सकते है। बच्चों के प्रति उनका पूर्ण भावनात्मक लगाव रहेंगा तथा प्रत्येक्ष रूप से इसका प्रदर्शन अल्प मात्रा में करेंगी जिससे यदा कदा आपके मन में गलतफहमियाँ हो सकती है लेकिन इसका प्रभाव अल्प समय के लिए होगा। इसके अतिरिक्त माता के सहयोग से आप वाहन आदि का सुख भी प्राप्त करेंगे तथा पैतृक सम्पति से भी युक्त रहेंगे।

आपको छोटा घर या आवस स्थल पसंद नहीं होगा एवं बड़े मकान की इच्छा होंगी जिसे अच्छी तरह सजाकर के आकर्षक एवं सुंदर बनाएँगे। उनकी सफाई सजावट में आपकी पूर्ण रूचि रहेंगी तथा आधुनिक भौतिक उपकरणों से सुसज्जित करके उसको सुंदर बनाएंगे। घर में आपको आनंद एवं शांति की अनुभूति होंगी। आपकी कई विषयों में ज्ञानार्जन की रूचि रहेंगी तथा वाणिज्य, लेखन या गणित के क्षेत्र में विशिष्ट सफलता अर्जित करने में समर्थ हो सकते है। इसके अतिरिक्त आप धनवान व्यक्ति होंगे परंतु मित्रों से विशेष सहयोग अल्प ही मिलेगा साथ ही चोरी या वशीकरण आदि तान्त्रिक मंत्रो से कोई परेशानी भी हो सकती है। उच्चशिक्षा अर्जित करते समय आपको कोई व्यवधान हो सकता है तथापि व्यवधनों पर आप विजय प्राप्त करेंगे तथा उच्चशिक्षा अर्जित करने में समर्थ रहेंगे।

जिस जातक के जन्म समय में मंगल चौथे भाव में होता है, उसे राजा से वस्त्र, भूमि, मान सम्मान मिलता है। उसे अपने मित्रों, बंधु-बांधवों आदि से सुख प्राप्त न होने की संभावना है। शत्रुओं से भय रहता है। उसे वाहन से दुःख मिलता है, उसे रोग घेरे रहने की संभावना है। उसका शरीर निर्बल होता है, तथा उसमें साहनशक्ति नहीं होती। यह जातक देश-परदेश में फिरता है, इसे कहीं पर भी स्थिरता और चित्त शांति नहीं मिलती, यह विलासी और लोभ वाला होता है।

जिस जातक के जन्म समय में बुध चतुर्थ भाव में होता है, वह उत्तम मित्रों से विभूषित रहता है। वह नेता और राज्य मान्य अधिकारी होता है इसे पैतृक धन प्राप्त नहीं होता है। इसके परिवार के लोग इसका विशेष आदर करते है। यह अपने बाहुबल से अर्थोपार्जन करता है। जातक धनी, वाहनों से युक्त, संगीत में प्रवीण -प्रवासी और बुद्धिमान होता है। यह गणित शास्त्र का जानने वाला और चाटुकारिता की वाणी बोलने में प्रवीण होता है। इससे प्रायः सभी प्रसन्न रहते है। इसके कई मित्र हो सकते है। इसको पुत्र सुख भरपूर होता है। तथा धन धान्य पूर्ण होने से आलसी होता है। अन्य मत से विशेष स्थिति ऐसी भी होती है, जब चतुर्थ भाव का बुध जातक को क्रोध ज्यादा होता है।

बुद्धि, सन्तान एवं प्रणय सम्बन्ध

5

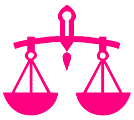

वायु तत्व

आपके जन्म समय में पंचम भाव में तुला राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शुक्र है। अतः इसके प्रभाव से आप आधुनिक विचारों के व्यक्ति होंगे तथा मन उदारता एवं सज्जनता का भाव भी विद्यमान रहेंगा। आपका मन प्रेम तथा स्नेह के भाव से युक्त रहेंगा तथा समस्त जनों से आप के मधुर संबंध रहेंगे। जीवन में आप के रहन सहन का स्तर उच्च रहेगा तथा आधुनिक सुख साधनों का प्रसन्नता पूर्वक उपभोग करेंगे। आप महत्वकांक्षी रहेंगे। अतः इच्छा वैभिन्य से जीवन साथी से मतभेद हो सकते है। आप एक बुद्धिमान व्यक्ति होंगे तथा जीवन की खुशहाली तथा वैभव आदि अपनी बुद्धिमत्ता से ही अर्जित करेंगे। इस राशि के प्रभाव से आप में वाक् सिद्धि, कल्पनाशीलता का भाव, वैदिक ज्ञान ओर की रूचि तथा सही दिशा में सोचने की शक्ति विद्यमान रहेंगी।

संतति से आप युक्त रहेंगे तथा उनसे आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। परंतु उनकी शिक्षा दिक्षा शादी या रोजगार संबंधी समस्याओं के कारण आप चिंता की अनुभूति कर सकते है परंतु इसका प्रभाव अल्प रहेंगा तथा अन्त में स्वतः ठीक हो जाएगा। इसके अतिरिक्त आप व्यक्तिगत तथा सामाजिक जीवन से प्रसन्न तथा संतुष्ट रहेंगे। आपके संतान देखने में सुंदर एवं आकर्षक होंगे तथा अपने कार्यक्षेत्र में सामान्यतया सफलता अर्जित करने में समर्थ रहेगे। साथ ही वृद्धावस्था में वे आपकी सेवा करेंगे तथा किसी भी प्रकार कष्ट नहीं होने देंगे। आपको व्यापार आदि में सरकार द्वारा टैक्स संबंधी परेशानी हो सकती है। अतः इसके लेन देन में अपना हिसाब यथोचित तैयार रखें अन्यथा समस्याएँ उत्पन्न हो सकती है।

जिस जातक के जन्म काल में सूर्य पांचवे भाव में होता है, उसे अपने पहले पुत्र से विशेष लाभ नहीं होता, इसकी बुद्धि बहुत तेज होती है। यह व्यक्ति मंत्र-शास्त्र का ज्ञाता होता है। इसको दुसरों को गुमराह करने में आनंद आता है। यह जातक प्रमादी और बेभान होता है। इसको हृदय की पिड़ा हो सकती है। यह संतान एवं धनि होता है।

जिस जातक के जन्म समय में शुक्र पाँचवे भाव में होता है, उसे शीघ्र ही पुत्र प्राप्त होते है। धन भी प्रचुर मात्रा में प्राप्त होता है। इसे मंत्र सिद्धि होती है, यह काव्य कर्ता तथा मिष्टान्न भोगी होता है। यह जातक सुखी, पुत्रवान, मित्रों से युक्त, विलास प्रिय, अतीव धन सम्पन, सब तरह की वस्तुओं से भरा पूरा सरकारी अफसर हो सकता है। यह धनी, सौन्दर्य सम्पन्न, काव्य और कलाओं से सर्वथा युक्त होता है। यह जातक माता की सेवा करने वाला, स्त्री पुत्रों से युक्त होता है। इसको काव्य करने की शक्ति होती है तथा राज्य में सम्मान प्राप्त करने वाला होता है।

यदि किसी जातक के जन्म समय पांचवे भाव में और अच्छे ग्रह न होने से वह पुत्र-सुख प्राप्त नहीं कर पाता यह शुभ-कार्य नहीं कर पाता। धन का अभाव रहता है। इसकी मित्रों के साथ नहीं पटती।

रोग, शत्रु, सेवक एवं मामा

6

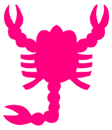

जल तत्व

आपके जन्म समय में षष्ठ भाव में वृश्चिक राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी मंगल है। अतः इसके प्रभाव से आप अनावश्यक चिंताओं तथा उत्तेजनाओं से अपने स्वास्थ्य को प्रभावित करेंगे। साथ ही उत्तम स्वास्थ्य के लिए आपको सीमित रूप से ही परिश्रम करना चाहिए क्योंकि क्षमता से अधिक कार्य करना आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा। सामान्य रूप से आप वातपित्तोत्पन्न जुकाम आदि से कष्ट प्राप्त कर सकते है। वृद्धावस्था में श्वास आदि से परेशानी हो सकती है। इसके साथ ही जोडों के दर्द से भी किंचित् परेशानी की आपको अनुभूति होंगी। अतः स्वास्थ्य के प्रित विशेष सतर्क रहें।

मंगल एक तेजस्वी तथा उग्र ग्रह है अतः आपको कभी भी अनावश्यक रूप में अपने कठोर वार्तालाप में कठोर शब्दों का प्रयोग नहीं करना चाहिए तथा यत्नपूर्वक मधुर वाणी बोलनी चाहीए अन्यथा आप को कई प्रकार से समस्याओं का सामना करना पड़ेगा आपके उन्नति मार्ग में शत्रु हंमेशा व्यवधान उत्पन्न करेंगे। अतः आपका जीवन अत्यंत परिश्रम पूर्ण रहेंगा। आप बंधु मित्र एवं सरकारी आधिकारियों से शत्रुता या विरोध का सामना कर सकते है. परंतु अपनी चतुराई, बुद्धिमत्ता से शत्रुपक्ष या विरोधियों का दमन करने में समर्थ रहेगे तथा आपकी परेशानियाँ भी दूर होंगी।

आपके अधिकाशं नौकर भी उग्र स्वभाव के होंगे तथा आपकी गुप्त बातों को वे अन्य जनों से कहकर आपके मान सम्मान में न्यूनता करेंगे। आप जीवन की खुशहाली पर अधिक व्यय करेंगे तथा इसी के कारण आपकी आर्थिक स्थिति प्रभावित हो सकती है। जिससे आपको ऋण आदि भी लेना पड़ सकता है अतः आपको इन पर पूर्ण निगरानी रखनी चाहिए तथा इनके सामने कोई भी व्यक्तिगत वार्तालाप नहीं करना चाहिए। अतः सोच समझकर ही व्यय करना चाहिए।

मुकद्दमेबाजी की आपोको जीवन में यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए क्योंकी इसस आपको लाभ की उपेक्षा हानि ही हो सकती है। साथ ही मामा मामी से भी आपको इच्छित सुख अल्प मात्रा में प्राप्त होगा। तथापि आपको उनकी उपेक्षा नहीं करनी चाहिए। साथ ही आपको अधिक मिष्टान्न की उपेक्षा करनी चाहिए इससे आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा।

जिस जातक के जन्म समय में राहु छठवें भाव में होता है। वह शूर सुंदर मतिमान राजा जैसा मान्य और विद्वान होता है। इस जातक से शत्रु पराजित होते है। यह जातक विलासी होता है। इसे धन की प्राप्ति होती है। यह म्लेच्छों की संगति करता है तथा यह महान बली हो सकता है। यह जातक धैर्यवान व अतिसुखी होता है।

दम्पति, विवाह एवं साझेदर

7

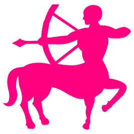

अग्नि तत्व

आपके जन्म समय में सप्तम भाव में धनु राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बृहस्पति है। इसके प्रभाव से आप एक आकर्षक व्यक्तित्व के सुंदर सुशील एवं बुद्धिमान व्यक्ति होंगे। साथ ही वें उच्च शिक्षा प्राप्त करेंगे। आपका जीवन सामान्यतया परिवर्तनशील रहेगा तथा सौभग्य से युक्त होकर अपने दाम्पत्य जीवन को सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करेंगे क्योंकि यह राशि द्विश्वाभाव राशि है। अतः जीवन में आपको विविधताएं पसंद रहेगी तथा इस का प्रदर्शन भी करेंगे। आपके विचार मस्तिष्क से संचालित होने के बाद भावनाओं में आते है। अतः आप सामान्यतया सांसारिक झंझटों से सुरक्षित रहेगे।

आप दोनों दम्पति बुद्धिमान होंगे तथा जीवन में एक दूसरे को अपना पूर्ण सुख सहयोग प्रदान करेंगे परंतु कई बार आप अपनी इच्छा के विरूद्ध किसी कार्य को करना पसंद नहीं करेंगे अतः इससे तनाव या मतभेद उत्पन्न हो सकता है इस लिए ऐसी परिस्थितियों की पारिवारिक शांति तथा समृद्धि के वातावरण के लिए यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए। आपके लिए तुला कुंभ तथा मेष लग्न के जातक जीवन साथी या व्यापार आदि में साझेदार बनने के लिए उपयुक्त रहेंगे। उससे आपका दाम्पत्य जीवन आनंदमय रहेगा तथा व्यापार आदि में भी उन्नति एवं लाभमार्ग प्रशस्त रहेंगे। आप या आपके जीवन साथी एक से अधिक कार्यों के द्वारा धनार्जन करेंगे। साथ ही दलाली व्यापार सचिव तथा वकील के रूप में भी आप सफता प्राप्त कर सकते है। यात्रादि के द्वारा भी आजीविका या धनार्जन होगा। इसके अतिरिक्त आप का स्वभाव मिलनसार रहेंगा तथा समस्त पारिवारिक तथा सामाजिक जनों के साथ उनके स्नेहपूर्ण संबंध रहेंगे। अतः आपका समय प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

दहेज, बीमा, आयु एवं दुर्घटना

8

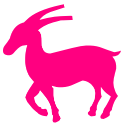

पृथ्वी तत्व

आपके जन्म समय में अष्टम भाव में मकर राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शनि है। अतः इसके प्रभाव से आप व्यावहारिक तथा आधुनिक विचारधारा की व्यक्ति होंगी फलतः आध्यात्म, ज्योतिष या तंत्र मंत्र आदि के प्रति आपकी कोइ विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा जीवन में अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को स्वपराक्रम एवं परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। लेकिन जीवन में जुए आदि की आपको यत्नपुर्वक उपेक्षा करनी चाहिए। आप काफी व्यस्त रहेगे तथा मित्रों के कहने पर भी उपरोक्त विषयों के प्रति आपके मन में कोई रूचि उत्पन्न नहीं होंगी। आपको प्रचुर मात्रा में पैतृक संपत्ति की प्राप्ति होंगी तथा शनैः शनैः इसका विस्तार करने में समर्थ रहेगे। इस प्रकार अपनी मेहनत एवं कार्यकौशल से आप एक धनवान व्यक्ति होंगे।

आपका दाम्पत्य जीवन सामान्यतया अच्छा रहेगा तथा आवश्यक सुख सुविधाओं का उपभोग करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही ससुराल भी आर्थिकदृष्टि से सम्पन्न रहेगी। बीमा आदि करने से भी आपको लाभ होगा। अतः मकान गाड़ी या अनेय वस्तुओं का बीमा जरूर कराना चाहिए। यद्यपि इन में आपको हानि अधिक नहीं होंगी परंतु बीमा से प्रचुर मात्रा में धन प्राप्त हो सकता है। जीवन में आपकी कुंड़ली के अनुसार कोई चोरी या दुर्घटना का योग नहीं बन सकता। इसके प्रति आपको आवश्यक रूप से सतर्कता का पालन करना चाहिए। आपकी प्रवृत्ति काफी सजग रहेंगी। फलतः आप परेशानियों से सुरक्षित रहेंगे। आपकी आयु भी अच्छी होंगी तथा सामान्यतया आपका सांसारिक जीवन सुख पूर्वक व्यतित होगा।

सौभाग्य, प्रसिद्धि, पूजा, उच्चशिक्षा एवं लम्बी यात्राएं

9

वायु तत्व

आपके जन्म समय में नवम भाव में कुंभ राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शनि है। अतः इसके प्रभाव से आप एक धार्मिक प्रवृत्ति के व्यक्ति होंगे तथा धार्मिक साहित्य का रूचिपूर्वक अध्ययन करेंगे साथ ही उच्च शिक्षा प्राप्ति के लिए भी हंमेशा प्रयत्नशील रहेंगे। आप किसी विशिष्ट सिद्धि या उपलब्धि को अर्जित करने के लिए जीवन में सर्वदा यत्नशील रहेंगे जिसके द्वारा आपको समाज,में मान सम्मान धन एवं ख्याति अर्जित होंगी इसके साथ ही ज्योतिष के प्रति आपकी श्रद्धा रहेंगी तथा आपको इसका न्यूनाधिक ज्ञान अवश्य रहेंगा।

ईश्वर के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा तथा विश्वास रहेंगा। अतः कई बार आप कार्य की अपेक्षा भाग्य को अधिक महत्व प्रदान करेंगे। साथ ही अपने इष्टदेव की नियमित पूजा करेंगे तथा परिवार में समय समय पर धार्मिक अनुष्ठानों को संम्पन्न करते रहेंगे। आपके विचार से भाग्य की प्रबलता के बिना कोई भी सफलता असंभव सी है तथा सौभाग्य से ही मनुष्य जीवन में विशिष्ट सफलताएं अर्जित कर सकते है। आपके विचार में ऐसा करने से बच्चों के संस्कारों में वृद्धि होती रहेंगी। इसके अतिरिक्त समय समय पर तीर्थ यात्राएँ भी करेंगे तथा साधु महात्माओं के संगति से आपको प्रसन्नता एवं संतुष्टि प्राप्त होंगी।

आपकी व्यावसायिक तथा आनंद दायक लम्बी दूरी की यात्राएँ सम्पन्न होंगी तथा इनसे आपको काफी ज्ञानार्जन भी होंगा। इसके अतिरिक्त दैवी कृपा से धनार्जन करेंगे तथा रास्ता, बगीचा या तालाब तथा मंदिर आदि परोपकार संबंधी कार्यो को करने में भी तत्पर रहेंगे। साथ ही आतिथियाभाव भी आप में विद्यामान रहेंगा। पौत्रों से भी आपको इच्छित सुख प्राप्त होंगा। वास्तव में आप इस जीवन में जो भी आनंद या उपलब्धि अर्जित करते है वह पूर्वजन्म के पुण्यों का ही प्रभाव है। इस प्रकार आपका सांसारिक जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

पिता, व्यवसाय, एवं सामाजिक स्तर

10

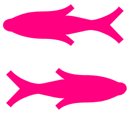

जल तत्व

आपके जन्म समय में दशम भाव में मीन राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बृहस्पति है। अतः इसके प्रभाव से आपके पिता जी एक बुद्धिमान पुरूष होंगे तथा उनका शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य उत्तम रहेंगा उनकी प्रवृत्ति भी धार्मिक रहेंगी अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को वे परिश्रम तथा ईमानदारी से सम्पन्न करेंगे।

आपकी तंत्र मंत्र एवं ज्योतिष शास्त्र में श्रद्धा रहेंगी साथ ही इनका आपको न्यूनाधिक ज्ञान भी होगा। व्यवसाय के लिए आप विज्ञान, लेखा, या बैंककर्मचारी के रूप में अपनी आजीविका प्रारंभ कर सकते है। अपनी सक्रियता, परिश्रमशीलता एवं उद्यमी प्रवृत्ति से जीवन में समस्त भौतिक सुख संसाधनों को अर्जित करेंगे। तथा इनसे आपको आनंद की अनुभूति होंगी। इससे आपको प्रचुर मात्रा में लाभ उन्नति एवं सम्मान प्राप्त होंगा। साथ ही शैक्षणिक संस्थाओं, प्रशासनिक एवं प्रबन्ध के क्षेत्र में भी आपकी आजीविका हो सकती है। आपके जीवन में समय समय पर महत्वपूर्ण परिवर्तन होते रहेंगे। इसके अतिरिक्त आप शेयरब्रोकर या वकील आदि के व्यवसाय से भी धनार्जन करने में सफल हो सकते है।

आप धनार्जन के लिए नवीन कार्यों को प्राप्त करने के लिए सक्रिय रहेंगे तथा इसमें सफलता भी प्राप्त होंगी। इसके अतिरिक्त आप धार्मिक प्रवृत्ति से युक्त, सज्जनों की सेवा करने वाले, परोपकारी, तीर्थाटन शील तथा आर्थिक दृष्टि से समृद्ध होकर अपना जीवन आनंद पूर्वक व्यतीत करेंगे। साथ ही सरकार एवं सरकारी अधिकारियों से भी आपको इच्छित लाभ एवं सहयोग प्राप्त होता रहेगा।

जिस जातक के जन्म समय में चंद्रमा दसवे भाव में होता है, वह धर्मात्मा होता है। इसको राज्य सुख प्राप्त होता है, यौवनावस्था में इसे बहुत सुख मिलता है। इस मनुष्य का अपने बड़े पुत्र से अच्छा संबंध नहीं रहता। इस जातक को रमणियों से अत्यंत सुख मिलता है। यह मनुष्य सर्वत्र विजय पाता है, जिस काम को हाथ में लेता है, उसमें इसे पूरी तरह सफतला प्राप्त होती तथा घर से धन प्राप्त करने वाला होता है।

लाभ, मित्र, समाज, ज्येष्ठ माता एवं आकांक्षाएं

11

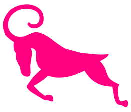

अग्नि तत्व

आपके जन्म समय में एकादश भाव में मेष राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी मंगल है। अतः इसके प्रभाव से आप एक महत्वाकांक्षी व्यक्ति होंगे तथा मन में इच्छाओं की बहुलता रहेंगी। अतः आप में वृद्धि होंगी तथा आर्थिक समृद्धि बनी रहेंगी। साथ ही इनकी पूर्ति अपने पराक्रम एवं परिश्रम के द्वारा अधिकांश मात्रा में करने में सफल रहेंगे। आप में संगठनात्मक शक्ति विद्यमान रहेंगी तथा अन्य लोगों को नियंत्रित तथा संगठित करके उनसे कार्य करवाने में समर्थ रहेगे। अतः आप प्रबन्धक, प्रशासनिक या रक्षा संबंधी विभागों में कार्यरत हो सकते है अथवा जीवन में इनसे आपको प्रचुर मात्रा में लाभ एवं धनार्जन होंगा। बड़े भाइयों से जीवन में आपको यथोचित सहयोग प्राप्त होगा तथा वे अपने स्नेहयुक्त व्यवहार से आपको प्रसन्न रखेंगे तथा आप उनका पूर्ण मान सम्मान करेंगे।

आप अच्छे एवं अधिक मित्र मंडली को पसंद करेंगे तथा आपके सभी मित्र उत्साही पराक्रमी निडर तथा शिक्षित रहेंगे। फलतः समाज या क्षेत्र में विख्यात रहेंगे एवं जीवन में स्वपराक्रम से किसी विशिष्ट सामाजिक सम्मान को अर्जित करने में समर्थ रहेगे। यद्यपि आप स्वछंद प्रवृत्ति के व्यक्ति होंगे तथापि अन्य जनों के साथ कार्य करने में आपको प्रसन्नता की अनुभूति होंगी। आप एक सामाजिक व्यक्ति होगे तथा क्षेत्र या समाज के सभी लोगों से आपके संपर्क रहेंगे तथा उनकी सेवा एवं भलाई करने के लिए आप हमेशा रूचिशील रहेंगे। परंतु यदा कदा बाएं कान की परेशानी से कष्ट प्राप्त हो सकता है। लेकिन आपका सामान्य जीवन सुखऐश्वर्य से युक्त होकर प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

हानि, बन्धन, कर्ज, आवास परिवर्तन एवं मोक्ष

12

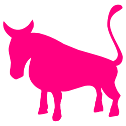

पृथ्वी तत्व

आपके जन्म समय में द्वादश भाव में वृषभ राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शुक्र है। इसके प्रभाव से आपका जीवन सामान्यतया परिवर्तनशील रहेगा तथा सुखऐश्वर्य से युक्त होकर अपना जीवन व्यतीत करेंगे। आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेंगी तथा विभिन्न जगहों से आपको धनार्जन होंगा लेकिन आपकी प्रवृत्ति व्ययशील रहेंगी तथा धन को आप उन्मुक्त रूप से व्यय करेंगे। पारिवारिक जनों के स्तर खान पान रहन सहन वस्त्रादि पर भी आपका व्यय अधिक होंगा तथा भौतिक विलासमय साधनों पर भी आप दिल खोलकर व्यय करेंगे। साथ ही किसी ख्यातिप्राप्त कंपनी में पूंजीनिवेश पर भी व्यय करेंगे जिससे भविष्य में आपको प्रचुर मात्रा में लाभ होगा।

भौतिक उपकरणों से आपका घर सुसज्जित रहेंगा तथा इससे आपको हार्दिक प्रसन्नता एवं आनंद की अनुभूति होंगी। आपके जीवन में समय समय पर तीर्थ यात्राएँ भी होती रहेंगी तथा दूर समीप की यात्राएं भी सम्पन्न होंगी। आपकी सामान्य यात्राएँ व्यापार या कार्यक्षेत्र से संबधित रहेंगी। साथ ही आप भ्रमण या पर्यटनस्थलों के भी सैर करने के उत्सुक होंगे। यात्राओं में आप सक्रिय रहेंगे फलतः इससे उचित मात्रा में लाभ एवं सम्मान प्राप्त होंगा।

आपकी विदेश संबधी यात्रा भी सम्पन्न होंगी एवं इससे आपका भविष्य उज्जवल होगा। साथ ही काफी समय तक विदेश में प्रवास भी कर सकते है। इससे खुशहाली, ऐश्वर्य एवं वैभव से युक्त होकर अपना जीवन व्यतीत करेंगे।